रोहतक, रविवार 19 अप्रैल 2026 ■ वैशाख मास शुक्ल पक्ष, द्वितीया/तृतीया ■ वर्ष : 30, अंक : 74 ■ पृष्ठ 14 मूल्य 3.00 मौसम अधि. 41.9, न्यून. 17.6 haribhoomi.com

परशुराम जयंती आज

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अक्षय तृतीया की मंगलकामनाएं

Aakash
Medical | IIT-JEE | Foundations

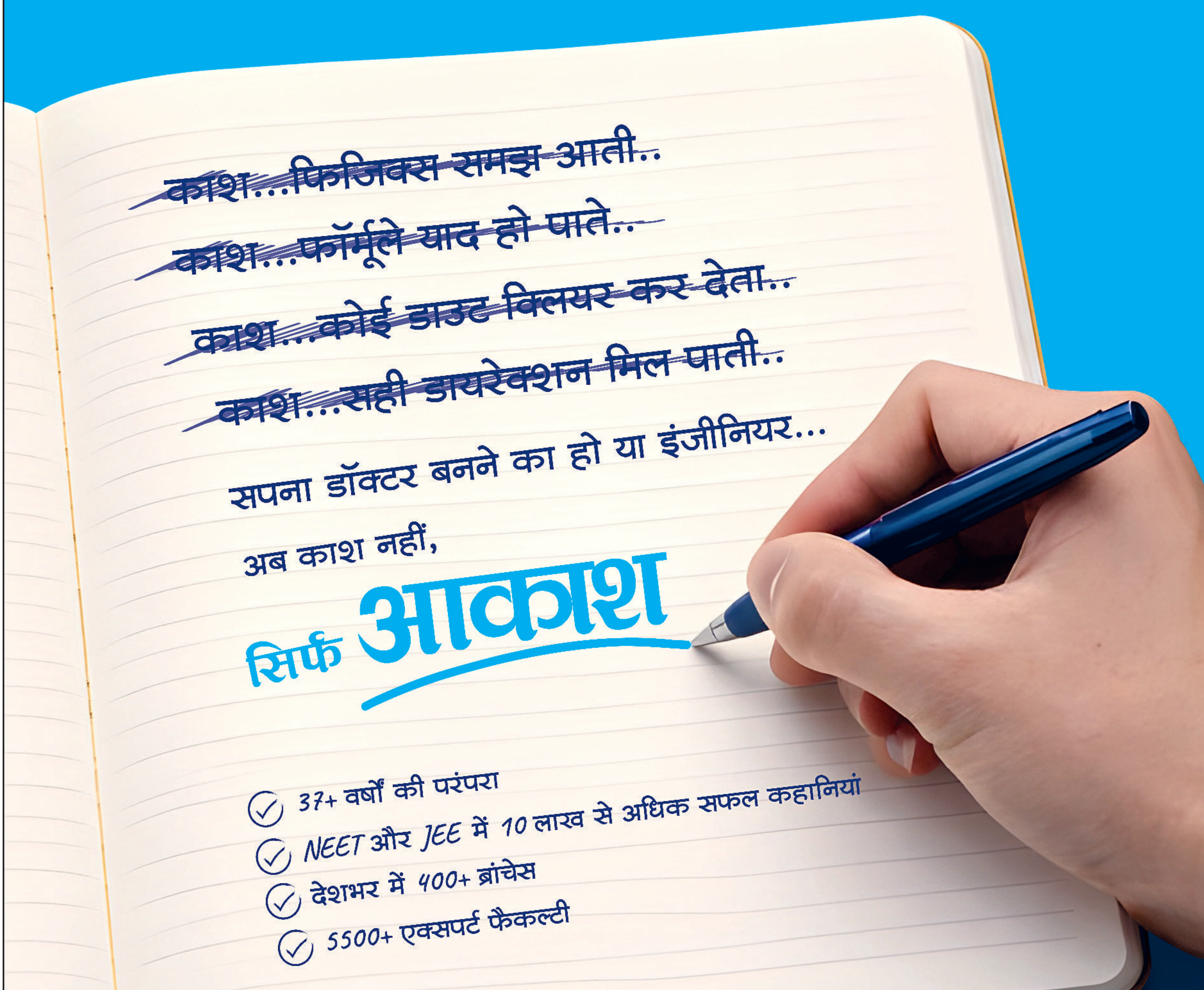

प्रवेश प्रारंभ

कक्षा 6वीं-10वीं में अध्ययनरत छात्र
स्कूल, बोर्ड परीक्षा एवं ओलंपियाड के लिए फाउंडेशन कोर्स*
*Classes 6th, 7th & 8th for selected branches only.

कक्षा 11वीं में अध्ययनरत छात्र
NEET / JEE के लिए
2 वर्षीय
इंटीग्रेटेड क्लासरूम कोर्स

कक्षा 12वीं में अध्ययनरत छात्र
NEET / JEE के लिए
1 वर्षीय
इंटीग्रेटेड क्लासरूम कोर्स

कक्षा 12वीं में अध्ययनरत व उत्तीर्ण छात्र
NEET / JEE के लिए
1 वर्षीय
रिपीटर / ड्रॉपर कोर्स

इंस्टेंट एडमिशन कम स्कॉलरशिप टेस्ट (iACST) में भाग लें।
नि:शुल्क नामांकन के लिए: iacst.aakash.ac.in
पर जाएँ या दिए गए QR कोड को स्कैन करें।

90% तक स्कॉलरशिप* प्राप्त करें
नियम व शर्तें लागू।

बैचेस जल्द शुरू हो रहे हैं।

Call Your Nearest Branch: **Ambala:** 8800012946, 9354580243 **Ambala Cantt:** 8587864215, 7206111544 **Bahadurgarh:** 8800901820, 9289031693 **Bhiwani:** 8800012950, 8448489648 **Faridabad (Sec-16):** 8800013022 **NIT Faridabad:** 8800729482, 92896 57106 **Gurugram: (Sector-14):** 8800840109, 9958064196 **Gurugram: (Sector-49):** 8800845034, 9289514345 **Gurugram (Sector-84):** 9220719538, 9873152330 **Hisar:** 8800013035, 7347492466 **Jind:** 9266988108, 9729657383 **Jhajjar:** 9728590900, 9468260012 **Kaithal:** 8800012949, 8448489650 **Karnal:** 8800012947, 8448489652 **Kurukshetra:** 8800013036, 9355378720 **Narnaul:** 7988049903 **Palwal:** 8800013038 **Panchkula:** 8800013039, 7876866442 **Panipat:** 8800013040, 7082000620 **Rewari:** 9053008274, 9053008275 **Rohtak:** 8800013037, 9355377057 **Sirsa:** 9217374346, 9355378249 **Sonipat:** 8800898137, 9289368846 **Yamuna Nagar:** 8800012945, 8448489651

नजदीकी ब्रांच के लिए QR कोड को स्कैन करें

CALL (TOLL-FREE): 1800-102-2727
VISIT: aakash.ac.in
Aakash INVICTUS Advanced JEE Prep Program
Aakash Medical | IIT-JEE | Foundations

लापरवाही और भ्रष्टाचार करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा: मुख्यमंत्री

पानीपत में ईएसआई अस्पतालों की गड़बड़ी पर 3 कर्मचारी सस्पेंड

- पांच मेडिकल सुपरिंटेंडेंट पर भी कार्रवाई के आदेश
- छह निजी अस्पतालों को किया डी-पैनल जांच के दिए निर्देश

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

नायब सिंह सैनी ने ईएसआई हेल्थ केयर सिस्टम में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए कड़े निर्देश जारी करते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या भ्रष्टाचार को सहन नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री शनिवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में ईएसआई हेल्थ केयर हरियाणा की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पानीपत के ईएसआई अस्पताल से जुड़े मामलों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि उन छह निजी अस्पतालों को तुरंत डी-पैनल किए जाने की कार्रवाई की जाए, इस पर अमल करते हुए विभाग ने अस्पतालों को नोटिस जारी कर दिया है। इन अस्पतालों ने वर्ष 2020-21 से 2023-24 के दौरान अत्यधिक रेफरल किए थे और रेफरल प्रपत्रों पर चिकित्सकों के हस्ताक्षरों में गड़बड़ी पाई गई। उन्होंने इस पूरे प्रकरण में संलिप्त पानीपत ईएसआई अस्पताल के संबंधित 3 कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

बावल-बहादुरगढ़ में ईएसआई अस्पताल जल्द होंगे तैयार, स्टाफ की भर्ती में तेजी के निर्देश

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बावल और बहादुरगढ़ में निर्माणाधीन 100-100 बेड के ईएसआई अस्पतालों का कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से प्रदेश के श्रमिकों और आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि ईएसआई हेल्थ केयर में डॉक्टरों और पैरा-मेडिकल स्टाफ की किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। आवश्यकतानुसार स्टाफ की भर्ती प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने के निर्देश भी दिए गए।

पैनल पर शामिल अन्य 133 निजी अस्पतालों के रिकॉर्ड की भी होगी जांच

साथ में ही 5 चिकित्सा अधीक्षकों के खिलाफ भी अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले की निष्पक्ष और गहन जांच के लिए एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) को जिम्मेदारी सौंपी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश भर में ईएसआई के पैनल पर शामिल अन्य 133 निजी अस्पतालों के रिकॉर्ड की भी एसीबी द्वारा जांच करवाई जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता का समय रहते पता लगाया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पानीपत ईएसआई अस्पताल की क्षमता 75 बेड से बढ़ाकर 100 बेड की जाए तथा वहां ऑपरेशन थिएटर का विस्तार किया जाए। इसी प्रकार जगाधरी ईएसआई अस्पताल को 80 से 100 बेड और हिसार ईएसआई डिस्पेंसरी को 12 से बढ़ाकर 50 बेड करने के निर्देश दिए गए। सभी अस्पतालों में आधुनिक तकनीक से युक्त उपकरण भी लगाए जाएं।

75 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं की समीक्षा, समयबद्ध पूरा करने के निर्देश

- बड़ी विकास परियोजनाओं में तेजी के निर्देश, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक ढांचे पर मुख्यमंत्री का विशेष जोर

चंडीगढ़। नायब सिंह सैनी ने हरियाणा सिविल सचिवालय में आयोजित 'प्रगति' समीक्षा बैठक में 75 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली राज्य की प्रमुख विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को कार्यों में तेजी लाने और तय समय सीमा में परियोजनाएं पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में शहरी विकास, स्वास्थ्य, पर्यटन, पुरातत्व और आपातकालीन सेवाओं से जुड़ी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। फरीदाबाद की जल आपूर्ति योजना, रेवाड़ी सड़क परियोजना और पंचकूला शूटिंग रेंज सहित कई प्रोजेक्ट्स की प्रगति पर संतोष जताते हुए सीएम ने गुणवत्ता से समझौता न करने की सख्त हिदायत दी।

हरियाणा खेलों का पावर हाउस, नशे से युवाओं को दूर रखने पर जोर

मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ के सेक्टर-16 खेल स्टेडियम में एलेंजर्स गली क्रिकेट टूर्नामेंट के सीजन-4 का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हरियाणा अपनी उत्कृष्ट खेल नीति के कारण खेलों का पावर हाउस बन चुका है, जबकि पंजाब नशे की समस्या से जूझ रहा है।

सड़कों के काम न रुकें, 6 माह के लिए इम्पोर्टिड तारकोल के इस्तेमाल को मंजूरी

- सड़कों की मरम्मत के लिए सभी जिलों में पैच वर्क मशीनों का प्रयोग करने के आदेश दिए

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के कारण तारकोल (बिटुमेन) की कमी और बढ़ती कीमतों के बीच सड़क निर्माण कार्यों को प्रभावित होने से बचाने के लिए बड़ा निर्णय लिया है। उन्होंने अगले छह माह तक इम्पोर्टेड तारकोल के उपयोग को मंजूरी दे दी है। हरियाणा सिविल सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने सड़क निर्माण और रखरखाव से जुड़े विभिन्न विभागों के कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि हाल के दिनों में तारकोल के दाम में भारी वृद्धि हुई है और आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। इस स्थिति को देखते हुए यह निर्णय लिया गया। सीएम ने निर्देश दिए कि सभी जिलों में सड़कों की मरम्मत के लिए पैच वर्क मशीनों का उपयोग किया जाए, ताकि गड्ढों को शीघ्र भरा जा सके। साथ ही 'म्हारी सड़क' ऐप पर दर्ज शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा सुनिश्चित किया जाए। प्रदेश में इस वर्ष 63,170 किलोमीटर सड़कों के निर्माण और मरम्मत का लक्ष्य रखा गया है। गुणवत्ता सुनिश्चित करने और मानसून से पहले कार्य पूर्ण करने के भी निर्देश दिए गए।

नशे के खिलाफ एसपी ने चलाई 20 किमी साइकिल

सिरसा। एसपी दीपक सहारण ने रानियां में साइक्लोथॉन रैली को हरी झंडी दिखाकर युवाओं को नशा मुक्ति का संदेश दिया। एसपी ने बताया कि सिरसा पुलिस अब तक 172 गांवों और 12 वार्डों में नशा मुक्ति अभियान चला चुकी है और आगे भी यह प्रयास जारी रहेंगे। करीब 20 किलोमीटर लंबी यह रैली जीवन नगर स्टेडियम से शुरू होकर 9 गांवों से होती हुई गुरुदेव इंडोर स्टेडियम में संपन्न हुई। इस दौरान डीएसपी सिद्धार्थ बिश्नोई सहित कई पुलिस अधिकारी और बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे।

राज्यपाल प्रो. घोष ने जनगणना 2027 के लिए की स्व-गणना

चंडीगढ़। राज्यपाल प्रो. असीम घोष ने जनगणना 2027 में डिजिटल भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज लोक भवन में ऑनलाइन जनगणना पोर्टल के माध्यम से सफलतापूर्वक अपनी स्व-गणना (सेल्फ-एन्यूमरेशन) पूरी की। इस प्रक्रिया में निदेशक, जनगणना संचालन निदेशालय, यूटी चंडीगढ़ डॉ. नवजोत खोसा तथा उपायुक्त-सह-प्रधान जनगणना अधिकारी, यूटी चंडीगढ़ निशांत कुमार यादव ने सहयोग प्रदान किया।

प्रदेश में नशा तस्करों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश: संजय कुमार

चंडीगढ़। हरियाणा एनसीबी प्रमुख/अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक संजय कुमार ने प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए सभी नार्कोटिक्स यूनिट को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। नशा तस्करों और उनके नेटवर्क को पूरी तरह खत्म करने के लिए जन आंदोलन की जरूरत है। पंचकूला में आयोजित बैठक में कहा, आदतन तस्करों की नजरबंदी, संपति जब्ती और लंबित मामलों में तेजी से सजा दिलाने पर जोर दिया। सभी जिलों की टीमों को कमर्शियल ड्रग मामलों में बढ़ोतरी और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए हैं।

गुरुग्राम में निकाय चुनाव के लिए भाजपा का मंथन

जनहित और विकास आधारित संकल्प पत्र की तैयारी: बड़ौली

- निकाय चुनाव में भाजपा की जीत का दावा करते हुए कांग्रेस को जीरो पर आउट करने की बात कही

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी की नगर निकाय चुनाव के लिए संकल्प पत्र निर्माण समिति की बैठक गुरुग्राम स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने की। बैठक में विकासोन्मुख और जनहितकारी संकल्प पत्र तैयार करने पर लगभग दो घंटे तक मंथन किया गया। बैठक में मंत्री विपुल गोयल, सुरेंद्र पूनिया, वेदपाल एडवोकेट, पानीपत की मेयर कोमल सैनी सहित अन्य सदस्यों ने सुझाव रखे। बैठक के बाद बड़ौली ने कहा कि भाजपा का संकल्प पत्र जनता की आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि निकाय चुनाव में भाजपा की जीत तय है और कांग्रेस शून्य पर आउट होगी। उन्होंने कहा कि 10 मई को होने वाले चुनावों में पार्टी पूरी तरह तैयार है और हरियाणा की जनता सरकार के कार्यों से संतुष्ट है। बड़ौली ने महिला आरक्षण को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भाजपा "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" की नीति पर काम कर रही है और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य में विकास कार्य तेजी से चल रहे हैं।

एचएसएससी कांस्टेबल भर्ती: कट ऑफ जारी, 20 से पंचकूला में पीएमटी शुरू

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने पुलिस कांस्टेबल के 5500 पदों की भर्ती प्रक्रिया के तहत कटऑफ सूची जारी कर दी है। आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह और सदस्य भूपेंद्र सिंह चौहान ने प्रेस वार्ता में भर्ती की तैयारियों की जानकारी दी। पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में 20 अप्रैल से शारीरिक माप परीक्षा (पीएमटी) शुरू होगी, जो रोजाना सुबह 6:30 बजे आयोजित की जाएगी। इस बार पारदर्शिता के लिए जर्मनी से मंगाई गई हाईटेक सेंसर मशीनों का इस्तेमाल किया जाएगा। अभ्यर्थियों के लिए विशेष बस सेवा, भोजन और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। आयोग ने बताया कि शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों को आगे फिजिकल स्क्रीनिंग और लिखित परीक्षा में शामिल किया जाएगा।कटऑफ और एडमिट कार्ड आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। उम्मीदवारों से नियमित अपडेट चेक करने की अपील की गई है।

सख्ती: अवैध प्रचार पर खर्च उम्मीदवारों से वसूला जाएगा: राज्य निर्वाचन आयुक्त

चंडीगढ़। हरियाणा राज्य निर्वाचन आयुक्त देवेंद्र सिंह कल्याण ने नगर निकाय और पंचायती राज चुनावों के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता के सख्त पालन के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि कई उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों द्वारा सार्वजनिक व निजी संपत्तियों पर अवैध पोस्टर, बैनर और दीवार लेखन किया जा रहा है, जो कानून का उल्लंघन है और प्रदेश की सुंदरता को प्रभावित करता है।उन्होंने स्पष्ट किया कि हरियाणा प्रिवेंशन ऑफ डिफेसमेंट ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट, 1989 की धारा 3 और 3-ए के तहत सार्वजनिक स्थानों, सरकारी भवनों, बिजली के खंभों, बस स्टैंड, मूर्तियों और सार्वजनिक परिवहन पर किसी भी प्रकार का प्रचार प्रतिबंधित है। यह संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है।आयुक्त ने कहा कि अवैध प्रचार हटाने और संपत्ति को मूल स्थिति में लाने का खर्च संबंधित उम्मीदवार या राजनीतिक दल से वसूला जाएगा।

परशुराम जयंती आज

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अक्षय तृतीया की मंगलकामनाएं

खबर संक्षेप

लद्दाख में बनेगा भारत का पहला पेट्रोग्लिफ कंजर्वेशन पार्क

लेह। लद्दाख की प्राचीन धरोहर को संरक्षित करने के लिए लेह में सिंधु नदी के किनारे देश का पहला पेट्रोग्लिफ कंजर्वेशन पार्क बनाया जाएगा। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने इसका शिलान्यास विश्व धरोहर दिवस के मौके पर किया। पेट्रोग्लिफ प्रागैतिहासिक चित्र और प्रतीक होते हैं, जिन्हें पत्थरों की सतह पर उकेरा जाता है। लद्दाख में ऐसे करीब 400 स्थल हैं, जहां ये शैलचित्र पाए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, अनियंत्रित पर्यटन, तेजी से हो रहे निर्माण कार्य और जागरूकता की कमी के कारण ये धरोहर खतरे में हैं। *एजेंसी*

एलओसी के पास धमाका एक जवान घायल

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास सुरक्षा बलों की गश्त के दौरान दो अलग-अलग घटनाएं हुई हैं। सेना का एक जवान लैंडमाइन धमाके में घायल हो गया, जबकि दूसरे मामले में जंग लगे एक पुराने मोर्टार गोले को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया गया। 18 अप्रैल को मेंढर क्षेत्र के बालाकोट सेक्टर में यह घटना घटी। सेना की एक गश्ती टुकड़ी इलाके में अपना दबदबा बनाए रखने के लिए अभ्यास कर रही थी। इसी दौरान एक लैंडमाइन फट गया, जिसमें एक अग्निवीर घायल हो गया। घायल जवान को तुरंत पास के सैन्य चिकित्सा केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। *एजेंसी*

महिला आरक्षण बिल पास नहीं हुआ, इसके लिए माफी मांगता हूं

जिन्होंने आधी आबादी का हक छीना उन्हें इस पाप की सजा मिलेगी : मोदी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार शाम 8:30 बजे से महिला आरक्षण पर देश को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'इस बिल में संशोधन नहीं हो पाया। मैं सभी माताओं-बहनों से माफी मांगता हूं।' जिन लोगों आधी आबादी का हक छीना, उन्हें इस पाप की सजा मिलेगी। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए देशहित सर्वोपरि है, जब कुछ लोगों के लिए दल हित सबकुछ हो जाता है, दल हित देश हित से बड़ा हो जाता है। तो नारी शक्ति को ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।' पीएम ने कहा कि कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके जैसे विपक्षी दल इस भ्रूणहत्या के गुनहगार हैं। ये देश के संविधान के अपराधी हैं। नारी शक्ति के अपराधी हैं। जिन लोगों ने आधी आबादी का अधिकार छीना, उन्हें इस पाप की सजा मिलेगी। पीएम ने कहा- पूरा विपक्ष इस भ्रूणहत्या के गुनहगार हैं। ये देश के संविधान के अपराधी है। नारी शक्ति के अपराधी हैं। कांग्रेस महिला आरक्षण से ही नफरत करती है। उन्होंने हमेशा इसे रोका है। इस बार भी कांग्रेस और साथी दलों ने महिला आरक्षण को रोकने के एक के बाद एक नए झूठ का सहारा लिया। *(संबंधित खबर पेज-3 पर)*

मेरे लिए देश सर्वोपरि, कुछ लोगों के लिए दल

पीएम ने शाम 8 :30 बजे देश को किया संबोधित

■

बोले, ये संविधान और नारी शक्ति के अपराधी

कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने नारी के हक की भ्रूणहत्या की

प्रधानमंत्री ने कहा- यह कानून 40 साल से लटके हुए नारी के हक को 2029 के अगले लोकसभा चुनाव से उसका हक देने का संशोधन था। यह बिल नए अवसर, नई उड़ान देने, उसके सामने से बाधाएं हटाने का महायज्ञ था। देश की 50% यानी आधी आबादी को अधिकार देने का ईमानदारी से किया प्रयास था। मोदी ने कहा- यह बिल समय की मांग है। यह उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम, सभी राज्यों की महिला शक्ति में समान बढ़ोतरी का प्रयास था। राज्य की आबादी कैसी भी हो सबकी समान अनुपात में शक्ति बढ़ाने की कोशिश थी। इस ईमानदार प्रयास की कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने सदन में पूरे देश के सामने भ्रूणहत्या कर दी है।

नारी सब भूल जाती है मगर अपमान नहीं

मोदी ने कहा- विपक्ष महिलाओं से उनका अधिकार छीनकर मेज थपथपा रहा था। उन्होंने जो किया वह टेबल पर सिर्फ थाप नहीं थी वो नारी के स्वाभिमान पर चोट थी। नारी सब भूल जाती है मगर अपमान नहीं भूलती। संसद में कांग्रेस और उसके सहयोगियों के व्यवहार की कसक नारी के मन में रहेगी। देश की नारी जब भी अपने क्षेत्र में इन नेताओं को देखेगी तो याद करेगी कि इन्होंने ही महिला आरक्षण रोकने का जश्न मनाया था।

राहुल गांधी के घर तक महिला सांसदों का मार्च, पुतला जलाया

बिल पास न होने के विरोध में एनडीए का देशभर में प्रदर्शन

■ कई नेताओं को हिरासत में लिया

लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पारित न होने को लेकर एनडीए नेताओं ने शनिवार को देशभर में प्रदर्शन किया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने महिला सांसदों के साथ राहुल गांधी के घर की ओर मार्च किया। कार्यकर्ताओं ने राहुल का पुतला जलाया। पुलिस ने भीड़ हटाने के लिए वाटर कैनन चलाई। केंद्रीय राज्य मंत्री रक्षा खडसे, भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज और कमलजीत सहरावत को हिरासत में लिया गया। बाद में छोड़ दिया गया। उधर, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने शनिवार को कहा, 'कल लोकसभा में जो हुआ वो लोकतंत्र की बहुत बड़ी जीत है। सरकार परिसीमन और महिला आरक्षण के जरिए सत्ता में बने रहने की साजिश कर रही थी।' दरअसल सरकार शुक्रवार को लोकसभा में संविधान का 131वां संशोधन बिल लाई थी।

ईरान ने 24 घंटे के भीतर बंद किया मार्ग

होर्मुज में भारतीय जहाजों पर फायरिंग, ईरानी राजदूत तलब

गनबोट्स ने चेतावनी भी नहीं दी, जहाज स्ट्रेट पार किए बिना लौटे

भारत ने कहा, हमारे जहाजों को सुरक्षित रास्ता दे ईरान

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन डीसी/तेहरान

होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे दो भारतीय व्यापारी जहाजों पर शनिवार दोपहर गोलीबारी हुई। इसमें एक तेल जहाज भी था। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड की दो गनबोट्स टैंकर्स के पास आईं और बिना रेडियो चेतावनी फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद दोनों भारतीय जहाज होर्मुज पार किए बिना लौट गए। जहाज और उसके क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। एक भारतीय जहाज लगभग 20 लाख बैरल इराकी तेल लेकर जा रहा था। घटना के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को भारत में तैनात ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फथअली को तलब किया। भारत ने फायरिंग पर विरोध दर्ज किया है। *(पैकेज पेज-6 पर)*

अमेरिका ने सीजफायर का उल्लंघन किया

ईरान ने फिर से होर्मुज स्ट्रेट बंद कर दिया है। इसे शुक्रवार को खोला गया था, लेकिन अब इस समुद्री रास्ते पर पाबंदियां लगा दी गई हैं। ईरान ने कहा कि अमेरिका से बातचीत के बाद उसने भरोसे में आकर कुछ तेल और माल ले जाने वाले जहाजों को गुजरने दिया था। लेकिन अमेरिका ने अपने वादे नहीं निभाए और नाकेबंदी के बहाने जहाजों के साथ सख्ती की। ईरान ने कहा कि यह सीजफायर डील का उल्लंघन है, इसलिए अब होर्मुज से जहाजों की आवाजाही पूरी तरह सेना के कंट्रोल में होगी। ईरान ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक अमेरिका उसके बंदरगाहों पर लगी नाकेबंदी नहीं हटाता, तब तक वह होर्मुज से जहाजों को गुजरने नहीं देगा। अमेरिका ने होर्मुज से नाकेबंदी हटाने से इनकार कर दिया है।

रूस से 16 मई तक तेल खरीद जारी रखेगा भारत

होर्मुज संकट के बीच अमेरिका ने भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए मिली छूट को आगे बढ़ा दिया है। अमेरिका ने यह छूट करीब एक महीने के लिए और बढ़ा दी है। अमेरिका के वित्त विभाग ने शुक्रवार देर रात इसको लेकर लाइसेंस जारी किया है। भारत को अब 16 मई तक रूसी तेल से लदे जहाजों को लेनदेन की अनुमति मिल गई है। यह नई अनुमति पिछली 30-दिन की छूट के बाद लागू होगी, जो 11 अप्रैल को समाप्त हो गई थी।

खिलौनों में बम लगाकर हमले की तैयारी कर रहे 4 संदिग्ध गिरफ्तार

- दो महाराष्ट्र व एक-एक ओडिशा और बिहार का रहने वाला
- राम मंदिर, संसद जैसे महत्वपूर्ण स्थान थे निशाने पर
- लाल किला और इंडिया गेट जैसे जगहों की कर चुके रेकी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने महाराष्ट्र, ओडिशा और बिहार से चार संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि इनके पास से आईईडी और उससे जुड़ा सामान बरामद हुआ है। आरोपियों में दो महाराष्ट्र और एक-एक ओडिशा और बिहार के हैं। इनकी पहचान मोसाइब अहमद, मोहम्मद हम्माद, मोहम्मद सोहेल और शेख इमरान के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक दो आरोपी एक रिमोट कंट्रोल खिलौना कार में आईईडी फिट करने की तैयारी में थे। जांच में यह भी सामने आया कि शेख इमरान दिसंबर 2025 में दिल्ली गया था। उसने रेड फोर्ट और इंडिया गेट जैसे जगहों की रेकी की थी। एजेंसियों के अनुसार, इन लोगों ने राम मंदिर, संसद भवन और सैन्य ठिकानों जैसे बड़े टारगेट पर हमले की भी चर्चा की थी। पुलिस के अनुसार ये सभी आरोपी एक कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित थे और गजवा-ए-हिंद जैसे नैरेटिव को बढ़ावा दे रहे थे। आरोपी एन्क्रिप्टेड सोशल मीडिया ग्रुप्स पर एक्टिव थे।

कांग्रेस ने घोषित किए मेयर उम्मीदवार

अंबाला से कुलविंदर, सोनीपत से कमल दीवान को टिकट

■ प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र ने दी जानकारी

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अंबाला और सोनीपत नगर निगम चुनावों के लिए मेयर पद के प्रत्याशियों की औपचारिक घोषणा कर दी है। अंबाला नगर निगम का मेयर पद बीसी (बी) महिला वर्ग के लिए आरक्षित है, जबकि सोनीपत नगर निगम की सीट सामान्य श्रेणी के अंतर्गत आती है। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने बताया कि अंबाला नगर निगम के लिए कुलविंद्र कौर (धर्मपत्नी कृपाल सिंह सैनी) और सोनीपत नगर निगम के लिए जिला कांग्रेस कमेटी (शहरी) अध्यक्ष कमल दीवान को पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया है। राव नरेंद्र सिंह ने आगे कहा कि कमल दीवान एक प्रतिष्ठित राजनीतिक परिवार से संबंध रखते हैं। उनके पिता स्वर्गीय देवराज दीवान सोनीपत से विधायक रह चुके हैं।

50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनर्स को होगा फायदा

- सरकार का सालाना 6,791 करोड़ रुपये का खर्च बढ़ेगा
- अक्टूबर में महंगाई भत्ता 55% से बढ़ाकर 58% किया गया
- बढ़ोतरी एक जनवरी 2026 से लागू होगी

केंद्र सरकार ने महंगाई भत्ता 2% बढ़ाकर 60% किया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 2% की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। सरकार ने डीए-डीआर 58% से बढ़कर 60% किया है। यह बढ़ोतरी 1 जनवरी 2026 से लागू होगी। इस फैसले से सरकार का सालाना 6,791 करोड़ रुपये का खर्च बढ़ेगा। इससे पहले अक्टूबर में महंगाई भत्ते को 55% से बढ़ाकर 58% किया गया था। पिछला रिविजन 1 जुलाई 2025 से प्रभावी माना गया था, जिसका भुगतान एरियर के साथ किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को दिल्ली में हुई कैबिनेट बैठक में इसका ऐलान किया गया। इससे लगभग 50.5 लाख कर्मचारियों और 68.3 लाख पेंशनर्स को फायदा होगा। केंद्र सरकार साल में दो बार, जनवरी और जुलाई में महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में बदलाव करती है। इस फैसले से कर्मचारियों की मंथली सैलरी और पेंशनर्स की पेंशन में इजाफा होता है।

दोहरी नागरिकता मामला...

हाईकोर्ट जज ने बदला राहुल पर एफआईआर का आदेश

बिना नोटिस केस दर्ज करना सही नहीं माना

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सांसद राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का अपना ही आदेश बदल दिया है। मामला दोहरी नागरिकता से जुड़ा है। कोर्ट ने शनिवार को अपनी वेबसाइट पर नया आदेश जारी किया। कोर्ट ने बताया कि शुक्रवार को सुनवाई हुई थी। इसमें याचिकाकर्ता समेत केंद्र और राज्य सरकार के वकीलों से पूछा गया था कि क्या राहुल गांधी को नोटिस जारी करने की जरूरत है? वकीलों ने नोटिस जारी करने की कोई जरूरत नहीं बताई थी। इसके बाद एफआईआर दर्ज करने का आदेश पारित कर दिया गया था। हालांकि, आदेश टाइप होने से पहले न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने फिर से फैसले को परखा।

दिग्गज टेक कंपनी ने किया ऐलान...

मेटा में होगी महाछंटनी, 8000 कर्मचारियों की जाएगी नौकरी

वर्कफोर्स में लगभग 10 प्रतिशत की कटौती शुरू

वाशिंगटन (एजेंसी)। दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी मेटा, जो फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी है, एक बार फिर बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी कर रही है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, मेटा 20 मई 2026 से अपने वैश्विक वर्कफोर्स में लगभग 10 प्रतिशत की कटौती शुरू करेगी। पहले चरण में करीब 8,000 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग कंपनी के पूरे ऑपरेशन को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इर्द-गिर्द रीस्ट्रक्चर कर रहे हैं। जुकरबर्ग एआई पहलों में अरबों डॉलर का निवेश कर रहे हैं। कंपनी का लक्ष्य अपने प्रोडक्ट्स और इंटरनल वर्कफ्लो को पूरी तरह से एआई-संचालित बनाना है।

करीब 11 घंटे बंद रहा रनवे...

पुणे में एयरफोर्स के विमान की हार्ड लैंडिंग, 91 फ्लाइट्स कैंसिल

सुबह नॉर्मल हो सका ऑपरेशन

पुणे (एजेंसी)। पुणे इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शुक्रवार रात भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान की हार्ड लैंडिंग हुई। रात 10:30 बजे हुई इस घटना के बाद रनवे को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। जिसके कारण एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन करीब 11 घंटे तक प्रभावित रहा। पुणे एयरपोर्ट के डायरेक्टर संतोष धोके ने बताया कि वायुसेना के विमान को सुबह करीब 5.45 बजे रनवे से हटा दिया गया था। लेकिन नोटम का टाइम बढ़ाकर सुबह 9 बजे कर दिया गया था। हालांकि फ्लाइट ऑपरेशन सुबह 7.30 बजे के बाद नॉर्मल हो सका। वायुसेना ने एक्स पर बताया कि दोनों पायलट सुरक्षित हैं। रनवे की मरम्मत के बाद उसे फ्लाइट्स के लिए फिट घोषित कर दिया गया। दिन भर में ऑपरेशन सामान्य हो जाएगा।

अपवादों के बावजूद पंचायतों में आरक्षण ने बदल दी महिलाओं की जिंदगी

नारी वंदन एक्ट पास न होने से झटका

आरक्षण न होता तो न करिश्मा सरपंच होती और न वे कभी सूट पहनने जैसी मामूली इच्छा पूरी कर पातीं

सेंट्रल डेस्क ▶▶| रोहतक

लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम दो तिहाई बहुमत न जुटा पाने के कारण पास नहीं हो सका। कांग्रेस सहित समूचे विपक्ष ने सरकार के प्रस्ताव का विरोध किया। लेकिन, इस घटनाक्रम ने किस तरह से महिलाओं से उनकी आकांक्षाओं को उड़ान देने का मौका छीना, इसे हरियाणा के गांवों में हुए बदलाव से समझा जा सकता है। यह कहानी हरियाणा के रोहतक जिले के लाहली गांव की सरपंच कश्मीरी और वहां के समाज में हो रहे धीरे-धीरे बदलाव को गहराई से दिखाती है। 2022 में सरपंच बनने के बाद कश्मीरी का जीवन केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के बदलते आत्मविश्वास का प्रतीक बन गया। चुनाव जीतने के बाद कश्मीरी के भाई ने अपनी बहन को तोहफा देना चाहा तो उन्होंने उनसे एक सूट देने का आग्रह किया। उनके मन में न जाने कब से सूट पहनने की इच्छा दबी हुई थी। भाई ने इच्छा पूरी कर दी। लेकिन इस सूट को पहनने का मौका तीन साल के बाद मिला। यह एक साधारण सी चाहत उनके लिए पहचान और सम्मान का माध्यम बन गई, जिसे उन्होंने 2025 में दिल्ली के एक समारोह में पूरा किया।

राजनीतिक भागीदारी का अवसर

यह घटना दिखाती है कि अब गांव की महिलाएं भी अपनी पसंद और पहचान को लेकर खुलकर सामने आ रही हैं। इस बदलाव की जड़ 1993 के 73वें संविधान संशोधन में है, जिसने पंचायतों में महिलाओं को 33% आरक्षण दिया, जिसे बाद में कई राज्यों, जैसे हरियाणा ने 50% तक बढ़ा दिया। इससे महिलाओं को राजनीतिक भागीदारी का अवसर मिला और धीरे-धीरे उनकी सामाजिक स्थिति मजबूत हुई। गांवों में अब लड़कियां स्कूलों में आगे बैठती हैं, खेलों में हिस्सा लेती हैं और उच्च शिक्षा की ओर बढ़ रही हैं, जो पहले कम देखने को मिलता था।

चुनौतियां बरकरार

कुछ मामलों में बदलाव सीमित भी है। जैसे, कविता सरपंच तो हैं, लेकिन निर्णय उनके पति लेते हैं। यह सरपंच पति संस्कृति को दर्शाता है, जहां महिलाओं का अधिकार कागजों तक सीमित है। कई पुरुष महिलाओं के नेतृत्व को स्वीकार नहीं करते और इसे मजाक या बोझ समझते हैं। इसके विपरीत, सुनीता देवी जैसी महिलाएं बदलाव का उदाहरण हैं।

घूंघट भी नेतृत्व भी

कश्मीरी का जीवन पारंपरिक और आधुनिक मूल्यों के बीच संतुलन का उदाहरण है। वह घूंघट भी करती हैं और जरूरत पड़ने पर उसे हटाकर नेतृत्व भी करती हैं। एक ओर वह परिवार और परंपराओं का सम्मान करती हैं, वहीं दूसरी ओर सार्वजनिक जीवन में आत्मविश्वास के साथ फैसले लेती हैं। उन्होंने गांव में हुक्का बंद करवाने जैसे फैसले भी लिए, जो सामाजिक सुधार की दिशा में कदम है। हालांकि, उन्हें पुरुषों के अहंकार का सामना करना पड़ता है, लेकिन वह डटी रहती हैं।

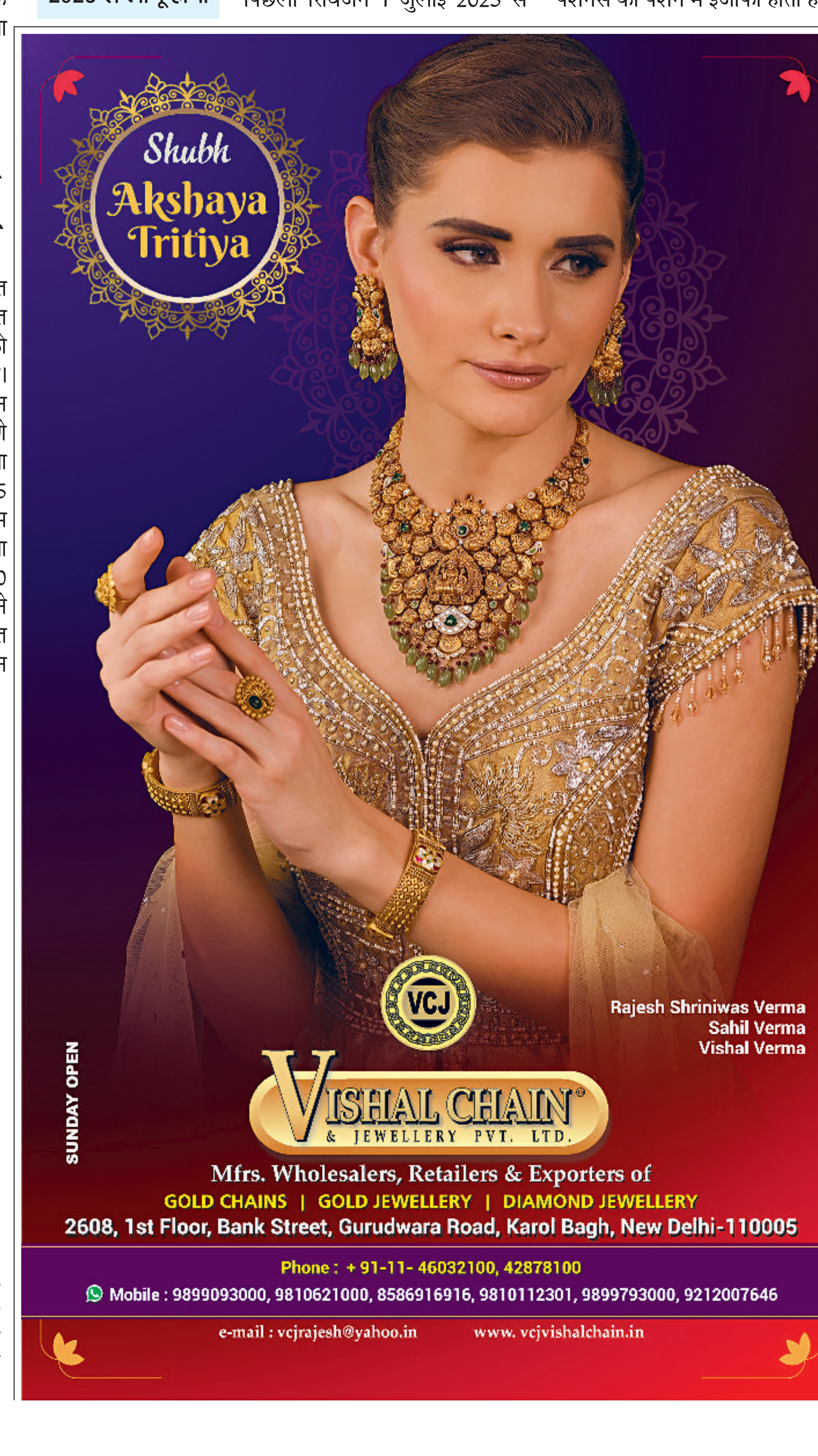

खबर संक्षेप

विपक्ष ने महिलाओं को हक देने वाला बिल गिरवा दिया : विज

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े बिल के 54 वोटों से गिरने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विपक्षी पार्टियों के पुरुष, महिलाओं की शक्ति से घबरा गए और घबराकर उन्होंने बिल गिरवा दिया जबकि ये बिल सारे हिंदुस्तान के पक्ष में था। पत्रकारों से बातचीत के दौरान ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि यह बिल महिलाओं को हक देने का बिल था और परिसीमन का बिल था क्योंकि लोकसभा की सीटें 1976 में जितनी थीं आज भी उतनी ही हैं। 1976 में देश में 56 करोड़ जनसंख्या थी जोकि आज बढ़कर 145 करोड़ हो गई है। 172 सीटें तो ऐसी हैं जिनकी जनसंख्या 20 लाख से ज्यादा है। तो यह एक सांसद/ प्रतिनिधि के लिए सभी की समस्या सुनना व हल करना मुमकिन नहीं है। इसलिए इसे बराबर करना बहुत आवश्यक था लेकिन विपक्ष ने जनहित के काम को इक्ट्ठे होकर इसको गिरवा दिया।

इनेलो ने कानून प्रकोष्ठ नए सिरे से किया गठित

चंडीगढ़। इनेलो कानून प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट संदीप गोयत ने इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अभय सिंह चौटाला एवं इनेलो के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा से विचार विमर्श करके कानून प्रकोष्ठ की राज्य कार्यकारिणी का नए सिरे से गठन किया। कानून प्रकोष्ठ की राज्य कार्यकारिणी में एडवोकेट निर्मल संधू, रतन लाल पंघाल, आरएस मेहता, खजान सिंह, दरियाव सिंह और जयप्रकाश कम्बोज को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, शशि वालिया, रामशरण रौतेला, सुमन लता सिवाच, अनिल सक्सेना और जगबीर सांगवान को उपाध्यक्ष, रविंद्र मान को प्रधान महासचिव, बलवान सिंह मेहरिया, सतबीर मोर, मदन जस्सल, राजपाल खटकड़, रामफल झाझड़िया, निर्माण कपूर, नरेंद्र खर्ब और एडवोकेट चांद सिंह राठी को महासचिव बनाया गया है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाइड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

पूर्व वित्त मंत्री बोले - कांग्रेस नहीं चाहती कि देश की आधी आबादी को राजनीति में प्रतिनिधित्व मिले

महिला आरक्षण बिल गिरना कांग्रेस की दकियानूसी सोच का परिणाम : कैप्टन अभिमन्यु

हांसी में भाईचारा स्नेह मिलन कार्यक्रम में सर्व समाज ने पगड़ी पहनाकर कैप्टन अभिमन्यु का जोरदार स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि लोकसभा में महिला आरक्षण बिल का गिरना कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों की दकियानूसी सोच का परिणाम है। आजादी के इतने वर्षों बाद भी कांग्रेस देश की आधी आबादी को उसकी उचित हिस्सेदारी नहीं देना चाहती, जिसके लिए महिलाएं इन विपक्षी दलों को कभी माफ नहीं करेंगी।

कैप्टन अभिमन्यु हांसी जाट धर्मशाला में आयोजित भाईचारा स्नेह मिलन समारोह के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार ने महिलाओं की हिस्सेदारी की जरूरत को महसूस किया और केन्द्र सरकार ने ऐतिहासिक बिल पेश कर दिया। दुखद बात है कि कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने इस बिल का विरोध किया, जिसकी वजह से बिल पास नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि यदि यह बिल पास हो जाता तो केवल देश में ही नहीं, विश्व में ही मिसाल बनता कि भारत में महिलाओं को उनका अधिकार दिया गया है।

हांसी। भाईचारा स्नेह मिलन कार्यक्रम को संबोधित करते पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

कांग्रेस नेता भूपेन्द्र सिंह हुड्डा द्वारा इस बिल में खामी बताए जाने पर प्रतिक्रिया जताते हुए कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि उनका बेटा संसद में ही तो बैठा था, वो बता देता कि क्या खामी है। लोकसभा या विधानसभा में कुछ न बोलना और बाहर नुकताचीनी करना कांग्रेस की पुरानी फितरत है। कांग्रेस को देश की आधी आबादी यानी हमारी महिलाएं कभी माफ नहीं करेंगी और उसे इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। वहीं, हिसार के गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में हुए हंगामे, उसके बाद जजपा नेताओं के प्रदर्शन व पुलिस की कार्रवाई के बारे में पूछे जाने पर पूर्व मंत्री ने कहा कि जो कोई नेतृत्व करने की सोचता है, उसे संयमित व धैर्यवान होना चाहिए और ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए।

युवाओं को सही दिशा देने में खाप पंचायतें निभा सकती हैं अहम भूमिका : कैप्टन अभिमन्यु

कैप्टन अभिमन्यु ने हांसी में आयोजित भाईचारा स्नेह मिलन कार्यक्रम के बारे में बताया कि समाज के प्रबुद्ध लोगों ने ऐसे कार्यक्रम करने की सोची है, जो अच्छी बात है। पिछले कुछ समय से या यूं कह सकते हैं कि प्रदेश में वर्ष 2010 से ही भाईचारा तोड़ने का प्रयास किया गया, अनेक युवाओं पर केस दर्ज हुए, अनेक भगौड़े घोषित हो गए और कईयों को सजा तक हो गई, लेकिन इसका राजनैतिक फायदा कोई और उठा गया। हमें यही बात समझने की जरूरत है कि कोई अवसरवादी नेता हमारे युवाओं का राजनैतिक लाभ के लिए उपयोग न करें, हमारा प्रयास रहेगा कि हम युवाओं को सही दिशा दें। इस मामले में खाप पंचायतें प्रमुख निभा सकती हैं। तभी पुराने समय का रोटी व बेटी का रिश्ता कायम किया जा सकता है। इस दौरान कार्यक्रम में सर्व समाज की ओर से पगड़ी पहनाकर व मालाएं डालकर कैप्टन अभिमन्यु का जोरदार स्वागत किया गया। कैप्टन अभिमन्यु ने सर्व समाज को विश्वास दिलाया कि वे भाईचारा बनाए रखने के लिए सदैव भरपूर साथ देंगे।

कुरुक्षेत्र एनआईटी में एक और छात्रा ने सुसाइड का किया प्रयास

रविवार तक विद्यार्थियों को हॉस्टल खाली करने का दिया आदेश, मेस भी रहेगी बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

एनआईटी में विवादों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। दो माह में चार विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या करने के बाद शुक्रवार रात को भी एक और छात्रा ने आत्महत्या की कोशिश की, जिसे साथियों ने पांचवीं मंजिल से कूदने से बचा लिया और अस्पताल लेकर गए। इन सब घटनाक्रम के बीच कॉलेज प्रशासन ने अब 19 अप्रैल तक यूजी, पीजी और पीएचडी के सभी छात्रों को हॉस्टल पूरी तरह खाली करने का आदेश जारी किया है। इस दौरान हॉस्टल के मेस भी बंद रहेंगे। पीआरओ प्रोफेसर ज्ञान भूषण ने बताया कि सभी स्टूडेंट को 19 अप्रैल तक हॉस्टल खाली करने के आदेश दिए गए हैं। मेस भी बंद रहेगी। जिन स्टूडेंट्स के वाइवा होने वाले हैं, उन्हें एक हफ्ते पहले जानकारी दे दी जाएगी।

कुरुक्षेत्र। दीक्षा दुबे सुसाइड मामले को लेकर यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने एनआईटी मेन गेट तक कैंडल मार्च निकाला।

मेरी जिंदगी का कोई मतलब नहीं... लिख पांचवीं मंजिल से कूदने लगी छात्रा

शुक्रवार रात्रि 12 बजे महाराष्ट्र की रहने वाली बीटेक स्टूडेंट ने कल्पना छात्रावास की पांचवीं मंजिल से कूदने का प्रयास किया, परंतु उसे सहपाठियों ने ऐसा करने से बचा लिया। इससे पहले छात्रा ने वॉट्सएप ग्रुप में लिखा, 'मेरी जिंदगी का कोई मकसद नहीं है, दोस्तों। मैं सुसाइड कर लेती हूं।' सूचना मिलते ही पुलिस ने एंबुलेंस बुलाकर छात्रा को अस्पताल भेज दिया। एक छात्र ने बताया कि यह छात्रा एनआईटी में बीटेक कर रही है। वह देर रात हॉस्टल की 5वीं मंजिल पर गई और वहां से छलांग लगाने की कोशिश की। मगर, ऐन वक्त पर कुछ स्टूडेंट वहां पहुंच गए और छात्रा को बचा लिया। बता दें कि दो दिन पहले ही बीटेक की छात्रा दीक्षा दुबे ने भी कमरे में बंद होकर सुसाइड कर लिया था, जिसके बाद कई घंटे छात्रों ने हंगामा किया था।

वीडियो जारी कर छात्रा ने उठाए सवाल

शुक्रवार रात्रि आत्महत्या की कोशिश करने वाली छात्रा का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में आत्महत्या करने वाली छात्रा बोल रही कि कॉलेज में जो कुछ चल रहा है, उसके खिलाफ आवाज उठानी ही होगी। दो माह में चार स्टूडेंट ने सुसाइड कर लिया है, यह कोई छोटी बात नहीं है। छात्रा कहती है कि जो बच्चे सुसाइड कर लेते हैं, उसके बाद उनके परिवार भी रोते रहते हैं। किसी को फर्क नहीं पड़ रहा किसने सुसाइड किया, कौन मर गया, क्या रीजन था। एक दिन के लिए, दो दिन के लिए, ज्यादा से ज्यादा एक महीने के लिए उस चीज के बारे में बात होती है। छात्रा कहती है कि कुछ लड़कियां होती हैं, बहुत ज्यादा सेंसिटिव होती हैं। वो रोने लगती हैं। उस वजह से सर बस बोल रहे हैं कि तुझे इस कॉलेज से निकाल दूंगा, तुझे डिग्री चाहिए या नहीं? मेरे क्लास में अगर बैठना है तुझे तो आज निकल जा।

नूंह में मिठाई खाने से सात बच्चों सहित 9 की तबीयत बिगड़ी, 2 की हालत गंभीर

कासिम खान/नूंह। जिले के गंडूरी गांव में कथित रूप से मिलावटी मिठाई खाने के बाद एक ही परिवार के 9 से अधिक लोगों की तबीयत बिगड़ गई। इनमें 7 बच्चे हैं, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई गई है। सभी को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बीमार बच्चों की पहचान सामरीन, सनम, समर, सोफिया, अजूबा, रजिना और रोहन के रूप में हुई है। इसके अलावा परिवार के अन्य सदस्य भी बीमार हो गए हैं। जिनमें एक महिला भी शामिल है। जानकारी के अनुसार, 7 बच्चों की हालत खराब होने पर उन्हें नलहड़ स्थित शहीद हसन खान मेवाती मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जबकि दो अन्य का इलाज मांडीखेड़ा अल आफिया अस्पताल में चल रहा है। पीड़ित परिवार के सदस्य राहुल के मुताबिक, उनका छोटा भाई जो पेशे से चालक है, बड़कली चौक से मिठाई लेकर आया था। सुबह के समय जैसे ही परिवार के लोगों, खासकर बच्चों ने मिठाई खाई, करीब 10 मिनट के भीतर उल्टी और घबराहट की शिकायत शुरू हो गई।

सूचना

मैं, राजकुमार पुत्र श्री चन्द्रभान निवासी गांव ककराना, तहसील कलानौर, जिला रोहतक, हरियाणा बयान करता हूं कि मेरी पुत्री शिवानी मेरे व मेरे परिवार के कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
(Succession Case)
IN THE COURT OF **Sh. Amit Sheoran**
Additional Civil Judge (Senior Division) Maham
1. NEELAM W/O LATE RAMNIVAS, 2. ARYAN (MINOR) S/O LATE RAMNIVAS THROUGH ITS MOTHER ALL RESIDENTS OF VILLAGE MOKHRA KHAS, TEHSIL MEHAM, DISTT. ROHTAK PETITIONERS.
Vs.
General Public Respondents
CNR No. HRRHA0-000103-2026
Next Date:-01-08-2026
SUCC/3/2026
Application for U/S 372 of Indian Succession Act for the grant of Succession certificate, in favour of petitioners in respect of the amount lying in the account of late Ramnivas and permit the petitioners to receive and realize the said amount alongwith interest if any)
Publication issued to respondent General Public.
Whereas the petitioner **Neelam w/o Late Ramniwas** has filed the above petition before this Court for the grant of Succession Certificate regarding the assets left by the deceased **Ramnivas**, who died on **23-01-2026.**
Notice is issued in the name of respondent(s) that in case anybody has any objection for the grant of succession certificate, he/she can file objections to the same on or before **01-08-2026** failing which the petition shall be decided in accordance with law.
Given under my hand and the seal of the Court, this **10-04-2026.**
Sd/- Additional Civil Judge (Senior Division), Maham

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Ms. Mansi Gaur
Additional Civil Judge (Senior Division), Ganaur
TEJBIR SINGH
Vs.
RAM RATI
CNR No. HRSOA0-000029-2026
CASE No. EXE/2/2026
Next Date : 20.05.2026
It is prayed that the sale deed of the suit property be executed and registered in favour of the applicant/DH through the process of the Court and the physical possession of the suit land be got delivered to the DH/Plaintiff and the cost of the suit ie. Rs.1,04,542/- together with cost of the present execution application may kindly be ordered to be deducted from the balance sale consideration payable to the JD/defendant by attachment and sale of their movable and immovable properties and paid to the DH, in the interest of justice.
PUBLICATION ISSUED TO :-
1. (iv) Jyoti (v) Preeti (vii) Shamila daughters of Ram Rati wife of Karam Singh son of Hukam Chand all R/o village Bali Qutubpur, Tehsil Ganaur, Distt. Sonepat
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on **20.05.2026 at 10:00 a.m.**
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Sonipat
Sd/- Additional Civil Judge (Senior Division), Ganaur
Dated, this day of 16.04.2026

COURT NOTICE :-
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF Sh. Amit Sheoran Additional Civil Judge (Senior Division) Meham
CNR No. HRRHA0-000013-2026
Next Date:- 30-05-2026
CS-10-2026
(Suit for declaration, possession by way of partition and permanent injunction.)
(1) Rashmi d/o Sunil Kumar Dalal s/o Sahab Singh Dalal, R/o H.No.809, Canal Road, Gali No.6,Sir Chhotu Ram Park, Ward no. 23, Bahadurgarh, Distt. Jhajjar at present w/o Vikas Dangi s/oAshok Dangi R/o Village Madina Kosran, Teh. Meham, Distt. Rohtak, (2) Anjali Kumari Malik d/oSuresh s/o Jage Ram Malik R/o Village Lakhmir Wala (74), Manhar Pur, Teh. And Distt. Jind atpresent w/o Dinesh Kumar s/o Sunil Kumar Dalal R/o H.no. 809, Canal Road, Gali No.6, SirChhotu Ram Park, Ward no. 23, Bahadurgarh, Distt. Jhajjar. Mobile no. 9812275383.....Plaintiffs
Vs.
(1) Subhash Gupta s/o Ram Kumar Gupta s/o Hari Sharan R/o H.No. 427, Bhera Enclave, PaschimVihar, Sunder Vihar (West), Delhi-110087 (2) Jasbir Singh s/o Hawa Singh s/o Dharamchand R/oH.no. 433/2, Shiv Colony, near flyover, Rohtak, (3) Anita w/o Jagbir Singh s/o pyarelal R/o H.no.158, Baba Hardey Ram Colony, Mujesar, Sec.34, Faridabad, (4) Parvesh w/o Ramkaran Malik s/oJai Narain, R/o Village Pugthala, Distt. Sonipat, (5) Sanjay Kumar s/o Lakhi Ram s/o Bhani RamR/o Wad no. 15, Laxmi Nagar, Near Balaji Mandir, Gohana Distt. Sonipat, (6) Pooja Rani w/oRohit s/o Ramphal R/o Village Jakhoda, Teh. Bahadurgarh, Distt. Jhajjar, (7) Saroj Dalal w/oOmparkash s/o Ramphal R/o Village Jakhoda, Teh. Bahadurgarh Distt. Jhajjar, (8) Sunita w/oRajkumar s/o Dhoop Ram R/o Village Baliyana Distt. Rohtak, (9) Saroj Chamar w/o Dr. KaranvirChamar s/o Gyan Singh R/o H.no. 667, Sec. 1, near water Tank, Rohtak, (10) Arjun Kaushik s/oRakesh Kumar s/o Rishi Parkash R/o H.No. 1269, Sec. 3 Rohtak, (11) Harinder Pal Singh Thapers/o Pritpal Singh Thaper s/o Jagat Singh R/o H.no. 21, 2nd floor, North avenue Road, PaschimPunjabi Bagh, Delhi- 110026, (12) Paramjeet s/o Rampal Joon s/o Tarachand Joon R/o H.no. 16,Maksudabad Colony, Najafgarh, Delhi-110043, (13) Sachin Kumar s/o Vinod Kaushik s/o RatiRam Kaushik R/o H.No.621, Ramlal, Pana Dichaon Kalan, Delhi-110043, (14) Sunita Devi w/oAshok Dangi s/o Ramphal R/o Village Madina Kosran, Teh. Meham, Distt. Rohtak. (15) AnitaAhuja w/o Mukesh Ahuja s/o Jagdish Lal Ahuja R/o H.No. 948, Ward no. 22, Jhang colony Rohtak,(16) Khush Ahuja d/o Mukesh Ahuja s/o Jagdish Lal Ahuja, R/o H.No. 948, Ward no. 22, Jhangcolony Rohtak, (17) Neetu w/o Atul Kathuria s/o Subhash Kathuria R/o H.no. 229/20, Azad NagarColony, Do Bhai Aata Chakki Wali Gali (Kanheli Road), Double Fatak, Rohtak, (18) Neelam w/oKrishan Lal, s/o Wazir Chand R/o H.No. 389, Ward no.4, Kacha Beri Road, Rohtak, (19) SorabhKapoor s/o Rakesh Kumar s/o Avinash Chander R/o C-60, 1st floor, Right Side Panchsil Vihar, NearKohli Clinik, Panchsil Park, South Delhi-110017, (20) Gaurav Kapoor s/o Rakesh Kumar s/oAvinash Chander R/o H.no. 74/14, Kripal Nagar, Rohtak, (21) Sanjay Sharma s/o Prem KrishanSharma s/o Badri Parsad, R/o H.no. 1156/23, Dr. Marwah Hospital Road, DLF Colony Rohtak,(22) Amit Kumar s/o Jai Bhagwan s/o Rameshar R/o Madina Gindhran, Teh. Meham, Distt.Rohtak, (23) Ashish Kumar s/o Krishan s/o Inder Singh, R/o Village Lehrara, Distt Sonipat, (24)Yogesh Kumar s/o Ram Rishi s/o Jage Ram, R/o H.No. 209, Ward no. 22, Gali no.1, KrishnaNagar, Kath Mandi, Sonipat, (25) Devender Singh Kuhad s/o Singh Ram s/o Harphool SinghKuhar R/o Plot no. 183, Block-E, phase-1, Jindal Global City, Sec. 35 Sonipat.AddiCivil(26) Nirmala Devi w/o Vijender Singh s/o Mittar Singh R/o H.no. 1364, ward no. 22, Shri NagarColony Rohtak, (27) Surender s/o Nahar Singh s/o Ghasi Ram R/o Pana Bhopal, near BustingStation, Village Bohar (68), Distt. Rohtak, (28) Ekta w/o Parveen Katyal s/o Kundan Lal KatyalR/o H.no. 226/6, Pratap Mohalla, Rohtak.Defendants.
Publication issued to Respondents no. (1) Subhash Gupta s/o Ram Kumar Gupta s/o HariSharan R/o H.No. 427, Bhera Enclave, Paschim Vihar, Sunder Vihar (West), Delhi-110087, (3)Anita w/o Jagbir Singh s/o pyarelal R/o H.no. 158, Baba Hardey Ram Colony, Mujesar, Sec.34,Faridabad, (8) Sunita w/o Rajkumar s/o Dhoop Ram R/o Village Baliyana Distt. Rohtak, (11)Harinder Pal Singh Thaper s/o Pritpal Singh Thaper s/o Jagat Singh R/o H.no. 21, 2nd floor, Northavenue Road, Paschim Punjabi Bagh, Delhi- 110026, (12) Paramjeet s/o Rampal Joon s/oTarachand Joon R/o H.no. 16, Maksudabad Colony, Najafgarh, Delhi-110043, (13) Sachin Kumars/o Vinod Kaushik s/o Rati Ram Kaushik R/o H.No.621, Ramlal, Pana Dichaon Kalan, Delhi-110043 In above titled case, the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered thatdefendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on 30-05-2026 at 10:00a.m.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs-district notice&district=Rohtak Given under my hand and the seal of the Court, this 09-04-2026.
Additional Civil Judge (Senior Division)

10वीं में नंबर कम आए तो छात्रा ने किया सुसाइड

फरीदाबाद। हरिकेश नगर कॉलोनी में 10वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम से निराश होकर एक छात्रा ने ट्रेन से टकराकर अपनी जान दे दी। छात्रा अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी। जानकारी के अनुसार, छात्रा श्रेष्ठा शर्मा के पिता मनोज कुमार शर्मा गुरुग्राम की एक निजी कंपनी में असिस्टेंट मैनेजर हैं। छात्रा को 10वीं की परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक आने की उम्मीद थी, लेकिन जब परिणाम आया तो उसे 72 प्रतिशत अंक मिले। अपेक्षा से कम अंक आने के कारण वह काफी परेशान और तनाव में रहने लगी थी। 15 अप्रैल की शाम करीब 6:45 बजे छात्रा घर से यह कहकर निकली कि वह बाजार जा रही है। उसने अपनी मां से पैसे लिए और घर से निकल गई, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी। अगले दिन पल्ला थाना में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। इसी दौरान मेवला महाराजपुर के पास रेलवे ट्रैक पर लड़की का शव मिलने की सूचना जीआरपी को मिली। पुलिस को छात्रा के घर से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उसने भगवान कृष्ण को संबोधित करते हुए अपनी भावनाएं और पीड़ा लिखी हैं।

गाने में हथियारों का बखान करने पर गायक गिरफ्तार

नूंह। जिले में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और गैर-कानूनी सामग्री प्रसारित करने के मामले में साइबर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मेवाती सिंगर असलम को गिरफ्तार कर लिया है। अदालत नने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार यूट्यूब चैनल पर प्रकाशित एक गाने में अवैध हथियारों का महिमामंडन, रंगदारी और गोलीबारी जैसे अपराधों का उल्लेख है।

कार्यालय नगर पालिका उकलाना
सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका उकलाना की कृषि योग्य शेष भूमि एक वर्ष के लिये पट्टे पर दी जानी है, जिसकी पूर्ण जानकारी कार्यालय नगरपालिका उकलाना से ली जा सकती है। इस भूमि की बोली नगरपालिका के कार्यालय में दिनांक 24.04.2026 को प्रातः 11:00 बजे कार्यालय नगरपालिका उकलाना में निर्धारित की गई है। इच्छूक व्यक्ति धरोहर राशि 20000/- रुपये जमा करवा कर बोली में भाग ले सकता है। बोली की नियम व शर्तें मौके पर सुना दी जायेगी। बोली रद्द करने का अधिकार सचिव / प्रशासक नगरपालिका उकलाना के पास रहेगा।
आदेशानुसार
सचिव नगरपालिका उकलाना

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकता है। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृष — बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

कर्क — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जाना हो सकता है। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे।

सिंह — मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। अफसरों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। सफलता के योग बन रहे हैं।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सुस्वादु खान-पान में रुचि बढ़ेगी। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

तुला — शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — किसी पैतृक सम्पत्ति के लिए विवाद की स्थिति बन सकती है। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। लाभ के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में सद्भाव बनाये रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

मकर — मन अशान्त रहेगा। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिकित्सीय खर्च बढ़ेंगे। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कुंभ — मन शान्त रहेगा। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। जीवनसाथी के परिवार के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है।

मीन — संयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

जल हिस्से पर हरियाणा की दावेदारी तेज, 3 राज्यों के प्रतिनिधिमंडल ने हालात जांचे

सुप्रीम कोर्ट के रावी-ब्यास ट्रिब्यूनल ने झज्जर में जेएलएन लिफ्ट नहर प्रणाली का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक/झज्जर

हरियाणा के बहुप्रतीक्षित जल हिस्से के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित रावी ब्यास वाटर ट्रिब्यूनल के सदस्यों ने जेएफ-2 सल्हावास स्थित जवाहरलाल नेहरू लिफ्ट नहर प्रणाली का विस्तृत निरीक्षण किया। हरियाणा, पंजाब और राजस्थान से आए 55 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने जमीनी हकीकत का जायजा लिया। निरीक्षण का केंद्र बिंदु हरियाणा को आवंटित जल हिस्से के अनुरूप विकसित अवसंरचना और उसकी वर्तमान कार्यक्षमता का मूल्यांकन रहा।

झज्जर में निरीक्षण करने पहुंचा प्रतिनिधिमंडल।

भाखड़ा बांध से मिले 3.51 एमएएफ जल

अधिकारियों ने ट्रिब्यूनल के समक्ष स्पष्ट किया कि भाखड़ा बांध से राज्य को 3.51 एमएएफ जल मिलना तय है, लेकिन वास्तविक आपूर्ति इस स्तर तक नहीं पहुंच रही।

1979 में ही ढांचा किया था तैयार

प्रतिनिधिमंडल ने पंप हाउसों, नहर तंत्र और संबंधित स्थलों का बारीकी से निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 1979 में ही इस जल हिस्से के उपयोग के लिए आवश्यक ढांचा तैयार कर लिया गया था, लेकिन अपेक्षित जल आज तक पूरी तरह नहीं मिल पाया। हरियाणा सरकार की ओर से प्रमुख अभियंता राकेश चौहान ने विस्तृत प्रस्तुति दी।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नामः **हिम्मत उर्फ सोनू, पुत्रः रेख सिंह, निवासीः ग्राम एवं डाकघर बखेता, थाना आईएमटी बोहर, जिला रोहतक, हरियाणा** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) इसके विरुद्ध **FIR No.58/2021 U/S 302/120B/115/34 IPC & 25/27 शस्त्र अधिनियम** के तहत एक मामला **थाना कंझावला, रोहिणी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **हिम्मत उर्फ सोनू** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **हिम्मत उर्फ सोनू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा है कि **FIR No.58/2021 U/S 302/120B/115/34 IPC & 25/27 शस्त्र अधिनियम, थाना कंझावला, रोहिणी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **हिम्मत उर्फ सोनू** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए दिनांक **21.05.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।
आदेशानुसार, श्री. मुनीश गर्ग
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश–03 (उत्तर पश्चिम),
कमरा नंबर–304, तीसरी मंजिल,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली
DP/5074/RD/2026
(अदालती मामला)

शब्द पहेली - 6200

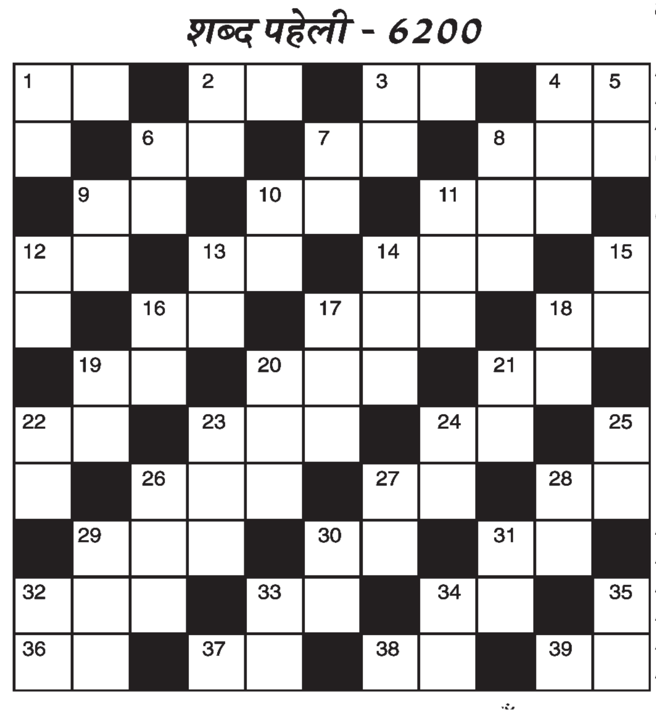

बाएँसेदाएं±
1.कार्य,काम-2
2.अग्नि,अनल-2
3.संग,संगत-2
4.मदिरा,शराब-2
6.चुटीली बात-2
7.उम्मीद-2
8.समाचार,सूचना-3
9.भगवान कृष्ण के खेल-2
10.छाया,परछाई-2
11.कहासुनी-3
12.जी,चित-2
13.निशा-2
14.पासों का खेल-3
16.करीना की फिल्म-2
17.आगे वाला-3
18.सीधा,सरल-2
19.वीर,बहादुर-2
20.दलदल,गाद-3
21.तांत,टेलीग्राम -2
22.वंश,खानदान-2
23.नशा,नशापानी-3
24.चिट्ठी,पत्र-2
26.सही का विलोम-3
27.ठिकाना-2
28.प्राण,दम-2
29.नरक (उर्दू-3)
30.बीता हुआ दिन-2
31.पोखर,तालाब-2
32.हताहत-3
33.दर,मूल्य-2
34.आयु-2
36.अंधकार-2
37.पांव,पैर-2
38.कान्हा-2
39.टैक्स,हाथ-2

ऊपर से नीचे
1.समय,वक्त-2
2.आगमन-2
3.पति की मां-2
4.भोर,सवेरा-3
5.झगड़ा-2
6.लॉक,द्वारयंत्र-2
7.धाय,नर्स,दाई-2
8.अवरोध,रुकावट-3
9.मगन,मग्न-2
10.सप्त,सप्तम-2
11.लक्ष्मी,रमा-3
12.मौज,मजा-2
13.महाराजा-2
14.घिसन,रगस-3
15.गमन,जाना-2
16.पुनः,वापस-2
17.स्थिर-3
18.निष्कर्ष-2
19.कांटा-2
20.मूल्य,दाम-3
21.पितामह-2
22.मजदूर-2
23.ईश्वर-3
24.भूल,गलती-2
25.मछली-2
26.नगमा-3
27.क्षण-2
28.पाश-2
29.दूसरा-3
30.थोड़ा-2
31.तांबा-2
32.हमला-2
33.कलंक-2
34.गरम-2
35.मयूर-2

शब्द पहेली -6199 का हल

क	फ		ज	प		त	न		शा	न
प	त	न		ल	त		भ	ला		शा
	वा	न	र		म	ल		ज	रा	
फि		द	म	न		क	द		ज	न
दा	दा		ल	क	वा		म	स्त		ख
	न	या		ल	च	क		र	थ	
रा		क	ल		क	ल	म		ल	ब
ही	र		हू	र		ह	म	ल		ल
	स	जा		जा	ल		ता	ड़	ना	
य		म	त		व	ध		ना	का	रा
म	य		ल	क्ष्य		न	ल		म	जा

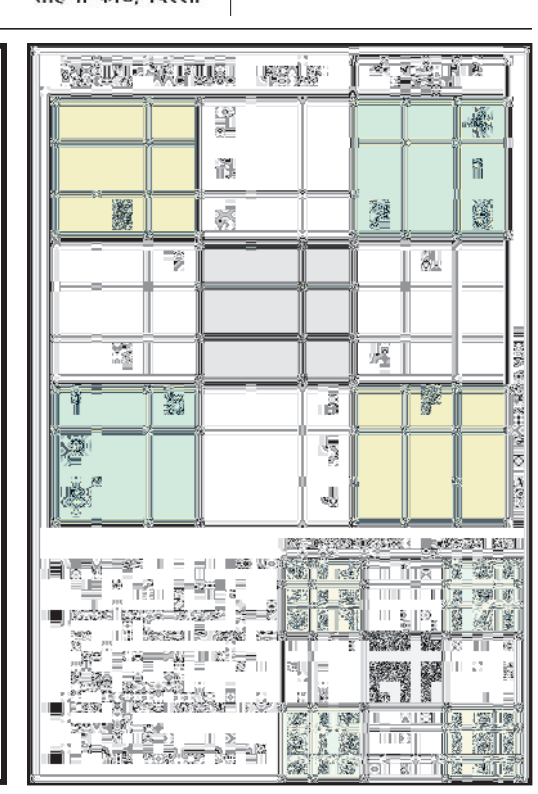

बजट सत्रः संसद के दोनों सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

लोकसभा में 93, राज्यसभा में 110 प्रतिशत उत्पादकता, 28 जनवरी को शुरू हुआ था

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

विशेष संसद सत्र के अंतिम दिन शनिवार को लोकसभा और राज्यसभा दोनों को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया. इसके साथ ही संसद का बजट सत्र समाप्त हो गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्यवाही समाप्त करते हुए बजट सत्र के समापन की घोषणा की।

वहीं राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने कुछ देर बाद उच्च सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। राज्यसभा के सभापति ने अपने समापन संबोधन में कहा कि सदन के 270वें सत्र के साथ ही संसद का बजट सत्र खत्म हो गया है। उन्होंने सदस्यों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि इससे सदन की बहसें और समृद्ध हुईं।

दोनों सदनों के स्थगित होने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने कार्यालय में सांसदों से मुलाकात की

तीनों संसदीय सत्रों में बजट सत्र सबसे महत्वपूर्ण

राज्यसभा के सभापति ने कहा कि तीनों संसदीय सत्रों में बजट सत्र सबसे महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि यह सबसे लंबा होता है और इसमें बजट, नीतियां और प्राथमिकताएं तय होती हैं, जिनका सीधा असर देश के विकास और लोगों की जिंदगी पर पड़ता है। सभापति ने बताया कि सत्र की शुरुआत राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चार दिन की चर्चा से हुई, जिसमें 79 सदस्यों ने भाग लिया। सभापति ने बताया कि सत्र के दौरान 50 निजी विधेयक पेश किए गए। सदस्यों ने संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 12 क्षेत्रीय भाषाओं में 94 बार अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि सदन कुल 157 घंटे 40 मिनट चला और इसकी उत्पादकता 109.87 प्रतिशत रही. इस दौरान 117 प्रश्नों पर चर्चा हुई, 446 शून्यकाल उल्लेख और 207 विशेष उल्लेख किए गए। हरिवंश नारायण सिंह तीसरी बार राज्यसभा के उपसभापति चुने गए, जिस पर प्रधानमंत्री और सभी दलों के नेताओं ने उन्हें बधाई दी। दोनों सदनों के स्थगित होने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने कार्यालय में सांसदों से मुलाकात की।

भाजपा पूरे गठबंधन पर हमलावर

स्मृति ने भी किया पलटवारः कांग्रेस की यह चाल महिलाएं याद रखेंगी

भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने कहा कि महिलाओं के अधिकार न देकर कांग्रेस ने जश्न मनाया। हर दर्द महिलाएं याद रखेंगी। कांग्रेस और उसके समर्थक दलों ने इस बात का उत्सव मना रहे हैं कि जो महिलाएं 33 फीसदी का आरक्षण मांग रही थीं।

रिजिजू ने सिक्किम का वीडियो शेयर किया, आरक्षण बिल पर समर्थन देखिए

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए सिक्किम से एक विरोध प्रदर्शन का वीडियो शेयर किया और इसे 'कड़ी चेतावनी' बताया। वीडियो को शेयर करते हुए रिजिजू ने लिखा कि कांग्रेस के लिए कड़ी चेतावनी। एक छोटे राज्य सिक्किम से संसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण के लिए कितना जबरदस्त समर्थन मिल रहा है।

विपक्ष ने दी अपनी प्रतिक्रिया

प्रियंका गांधी बोलीं-सीटें बढ़ाना सत्ता में बने रहने की साजिश थी

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने शनिवार को कहा कि कल लोकसभा में जो हुआ वो लोकतंत्र की बहुत बड़ी जीत है। सरकार परिसीमन और महिला आरक्षण के जरिए सत्ता में बने रहने की साजिश कर रही थी।'

मुझे कोई महिला विरोधी नहीं कह सकताः कांग्रेस सांसद शशि थरूर

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने लोस कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू के साथ बातचीत का अंश साझा किया और कहा कि भाजपा नेता ने स्वीकार किया कि कोई भी मुझे महिला विरोधी नहीं कह सकता। महिलाएं संसद व हर संस्थान में प्रतिनिधित्व की हकदार हैं।

खबर संक्षेप

निशांत कुमार को मिली जेड सिक्योरिटी सुरक्षा

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को जेड श्रेणी की सिक्योरिटी मिली है, जबकि विजय सिन्हा की सुरक्षा को घटाकर जेड किया है। श्रवण को वाई प्लस विद एस्कॉर्ट स्तर की सुरक्षा मिली। नीतीश ज्यादा पावरफुल हो गए हैं।

सीएम चौधरी 24 को पेश करेंगे विश्वास मत

पटना। बिहार में नवनियुक्त सीएम सम्राट चौधरी के नेतृत्व में गठित एनडीए की नई सरकार के विश्वास मत पेश करने की तारीख आ गई है। बिहार विस के एक दिनी विशेष सत्र की तिथि का ऐलान हो गया है। विधानसभा सचिवालय ने शनिवार को अधिसूचना जारी कर दी। यह विशेष त्र 24 अप्रैल को बुलाया है।

हज के लिए कश्मीर से रवाना हुआ पहला जत्था

श्रीनगर। हज यात्रा के लिए 431 जायरीनों का पहला जत्था शनिवार को जम्मू कश्मीर से सऊदी अरब के लिए रवाना हुआ। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उन्हें हवाई अड्डे पर विदा किया।

10वीं तक मराठी नहीं पढ़ाई तो होगी कार्रवाई

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के सभी स्कूलों में एक से 10वीं तक मराठी भाषा को अनिवार्य की गई है। जो स्कूल नियम का पालन नहीं कर रहे हैं, उन पर कार्रवाई होगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किया है। 2020-21 से राज्य के सभी स्कूलों में मराठी एक अनिवार्य विषय है।

विपक्ष ने महिला आरक्षण पर नफरत की राजनीति की

पीएम मोदी ने तमिलनाडु के कोयम्बटूर में साधा निशाना

मैं उन्हें भरोसा दिलाना चाहता हूं कि डबल इंजन वाली एनडीए सरकार उनकी जिंदगी बेहतर बनाएगी। डीएमके सरकार ने कभी किसानों की चिंता नहीं की, और एनडीए किसानों को प्राथमिकता देगी। डीएमके के ट्रांसफर-पोस्टिंग स्कैम और भ्रष्टाचार को खत्म करेंगे। हम डीएमके के सभी स्कैम की जांच करेंगे और कार्रवाई करेंगे।

एजेंसी ▶▶ कोयम्बटूर

दक्षिण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी रैली में जमकर विपक्ष पर निशाना साधा। पीएम नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के कोयम्बटूर में कहा कि मैंने पर्सनली सभी पॉलिटिकल पार्टियों से महिला आरक्षण बिल का सपोर्ट करने की अपील की थी। मैंने उनसे कहा था कि वे क्रेडिट ले सकते हैं, मुझे कोई एतराज नहीं है। मोदी ने कहा कि डीएमके और कांग्रेस ने महिला आरक्षण जैसी अच्छी पहल को नफरत भरी और छोटी राजनीति की वजह से पटरी से उतार दिया। उन्होंने डीएमके पर तंज कसते हुए कहा कि आपके काले कारनामे जनता जान चुकी है। काले कपड़े पहनकर गलत इरादों को नहीं छिपाया जा सकता।

पीएम बोले डीएमके के काले कारनामे सबके सामने आए, अब चुनाव में मिलेगा जवाब

मोदी का दावाः एनडीए आएगी, डीएमके जाएगी

तमिलनाडु के कोयंबटूर में जनसभा को संबोधित करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा कि राज्य की राजनीति में नया दौर शुरू हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि तमिलनाडु की जनता साफ संदेश दे रही है कि एनडीए सत्ता में आएगा और डीएमके बाहर जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बदलाव राज्य की राजनीति में एक नया अध्याय लिखेगा और आने वाले चुनावों में जनता एनडीए के पक्ष में फैसला देगी।

ममता बनर्जी को सीएम के पद से हटाना होगाः हिमंता

असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कलिम्पोंग की रैली में आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने वोटों के लिए बंगाल की जमीन बांग्लादेशी मुसलमानों को बेच दी है। जब से ममता सीएम बनी हैं, उन्होंने पूरे बंगाल को बर्बाद कर दिया है। उन्हें सत्ता से हटाना होगा, वरना हम बंगाल खो देंगे। बंगाल के उलुबेरिया में चुनावी रैली में ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा का पतन कल से शुरू हो गया है। हम पहले से महिला आरक्षण की वकालत करते आ रहे हैं। यह महिलाओं के आरक्षण का बिल नहीं था, बल्कि इसका संबंध परिसीमन से था।

ममता ने मोदी पर साधा निशाना, उनके भाषणों को 'झूठ का पुलिंदा' बताया

कोलकाता (भाषा)। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी के राष्ट्र को संबोधित करने से पहले उन पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके भाषणों से गरीबों को कोई राहत नहीं मिली और वे झूठ का पुलिंदा मात्र हैं। दक्षिण 24 परगना जिले के भांगर में एक रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि मैं सुन रही हूं कि प्रधानमंत्री एक बार फिर देश को संबोधित करेंगे और फिर से झूठों का एक और जाल बुनेंगे। लोग उनके भाषण सुनकर राशन नहीं पाएंगे। उनके भाषण सिर्फ झूठों का पुलिंदा हैं।'

परिसीमन विधेयक गिरने से भाजपा की 'बेचैनी' सामने आई

तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा है कि लोकसभा में परिसीमन विधेयक के पारित नहीं होने संबंधी घटनाक्रम से भाजपा की 'बेचैनी' सबके सामने आ गई है। बनर्जी ने 'एक्स' पर लिखा,लोकसभा में परिसीमन विधेयक के पारित नहीं होने से जो स्थिति बनी है, उससे भाजपा की बेचैनी सबके सामने उजागर हो रही है।' केंद्र को महिलाओं के आरक्षण को लागू करने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए।

तमिलनाडुः रैली में जमकर बरसे

मोदी, शाह ने महिला आरक्षण विधेयक पर झूठ बोला : राहुल

भाषा ▶▶ चरानीपेट (तमिलनाडु)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने देश से उस वक्त झूठ बोला, जब उन दोनों ने दावा किया कि वे महिला आरक्षण विधेयक पारित करने का प्रयास कर रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि उनके दावे के पीछे देश के चुनावी मानचित्र को बदलने और राज्यों को कमजोर करने का एक "कुटिल" इरादा छिपा हुआ था। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि जो प्रयास किया गया वह "राष्ट्र-विरोधी कृत्य था और राज्यों के संघ के विरुद्ध था। भाजपा सरकार ने असम और जम्मू कश्मीर का चुनावी मानचित्र बदल दिया है और उनका इरादा देश के बाकी हिस्सों में भी ऐसा करने का है। राहुल गांधी ने कहा कि कल आपने देखा कि मोदी और शाह संसद में क्या करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने देश से झूठ बोला, वे महिलाओं के प्रतिनिधित्व के लिए विधेयक पारित करने की कोशिश कर रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका से चार और चीते लाए गए बेंगलुरु

बेंगलुरु। भारत में चीतों का कुनबा लगातार बढ़ रहा है। शुक्रवार देर रात लगभग 1:15 बजे केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे। दक्षिण अफ्रीका से 4 चीतों को भारत लाया गया है, इन्हें बेंगलुरु के बैनरघट्टा बायोलॉजिकल पार्क में रखा जाएगा। इनको विशेष निगरानी में रखा गया है। वन विभाग और पशु चिकित्सा विशेषज्ञ उनकी सेहत पर नजर रख रहे हैं। कर्नाटक के वन मंत्री ने चीतों को 30 दिनों के लिए क्वारंटीन में रखने और मेडिकल जांच के निर्देश दिए।

हाई कोर्ट ने सहायक प्रोफेसरों की नियुक्त की रद्द

कोलकाता। बंगाल में 23 अप्रैल को पहले चरण का मतदान है। इसी बीच कलकत्ता उच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग की एक फैसले को रद्द कर दिया है। चुनाव आयोग ने चुनाव के लिए कुछ सहायक प्रोफेसरों को पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करने का फैसला लिया था। बंगाल सरकारी कॉलेज शिक्षक संघ से संबंधित याचिकाकर्ताओं ने विधानसभा चुनावों के लिए मतदान केंद्रों में पीठासीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति को चुनौती देते आवेदन दायर किया था।

चुनाव आयोग की कार्रवाई

टीएमसी का प्रचार करने वाले 3 बीएलओ सस्पेंड, एफआईआर

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए चुनावी ड्यूटी में लगे 3बूथ-स्तरीय अधिकारियों को निलंबित करने की घोषणा की। ईसीआई ने राज्य प्रशासन को संबंधित पांचों बीएलओ के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने और एफआईआर दर्ज करने का निर्देश भी दिया। आयोग ने अनुशासनात्मक कार्रवाई का निर्देश दिया है। इनमें तपन कुमार साहा, अविजित डे, और कुमारजीत दत्ता शामिल हैं।

रिलायंस डिजिटल ने की अक्षय तृतीया से पहले 'डिजिटल डिस्काउंट डेज़' की घोषणा

मुंबई। रिलायंस डिजिटल, यह इंडिया का सबसे बड़ा कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर है, जिसने अपने लंबे समय से इंतजार की जा रही 'डिजिटल डिस्काउंट डेज़' कैम्पेन के फिर से आने की घोषणा की है। इससे लेटेस्ट टेक्नोलॉजी में अपग्रेड करना अब पहले से कहीं ज़्यादा आसान ही नहीं बल्कि फायदेमंद भी हो जाएगा। इस कैम्पेन के अंतर्गत, ग्राहक लीडिंग बैंक के कार्ड्स पर रुपये 26,000 तक इंस्टंट डिस्काउंट का फायदा उठा सकते हैं या पेपर फाइनान्स पर रु. 30,000 तक कैशबैक का विकल्प चुन सकते हैं। इसके अलावा, रिलायंस डिजिटल सेकंड प्रोडक्ट पर दे रहा है फ्लैट 50 प्रतिशत की छूट, जिससे ऑडियो डिवाइस, वेयरेबल्स, मोबाइल और लैपटॉप एक्सेसरीज़, चुनिंदा होम एंटरटेनमेंट और छोटे अप्लायंसेज़ जैसी कैटेगरी में कई चीज़ें खरीदने को बढ़ावा मिलेगा। इसमें हिस्सा लेने वाले ब्रांड्स में मार्शल, जेबीएल, बोट और वनप्लस शामिल हैं, जो लोकप्रिय कंज़्यूमर टेक इकोसिस्टम पर कंपनी के मजबूत फोकस को दर्शाता है। सांकेतिक कीमतें इस ऑफर को और भी आकर्षक बनाती हैं। ब्लूटूथ स्पीकर, नेकबैंड और वायरलेस हेडफोन जैसे प्रोडक्ट्स अपनी लिस्टेड कीमत से लगभग आधी कीमत पर उपलब्ध हैंः उदाहरण के लिए, लगभग रु 1,699 की कीमत वाले चुनिंदा स्पीकर लगभग रु 850 में मिल जाएंगे, जबकि रु 9,999 की रेंज वाले प्रीमियम हेडफोन, सेकंड-आइटम लाभ के अंतर्गत लगभग रुपये 5,000 मंल मिल सकते हैं।

डरने की जरूरत नहीं, संतुलन जरूरी, जज की जगह नहीं ले सकती एआई : सीजेआई

बेंगलुरु (भाषा)। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि न्यायपालिका में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल जरूरी है, लेकिन इससे डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी सिर्फ मददगार हो सकती है, जज की जगह नहीं ले सकती। यह बात उन्होंने बेंगलुरु में कार्यक्रम में कही। एआई का इस्तेमाल करते समय संतुलन जरूरी है। इससे काम तेज और आसान हो सकता है, लेकिन फैसला हमेशा इंसानी सोच, अनुभव और संवैधानिक समझ से ही होना चाहिए। यह बयान उन्होंने 'रीइमैजिनिंग द ज्यूडिशियरी इन द एरा ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' विषय पर कर्नाटक स्टेट ज्यूडिशियल ऑफिसर्स एसोसिएशन के सम्मेलन में दिया।

अक्षय तृतीया पर आज खुलेंगे गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट

उत्तरकाशी(एजेंसी)। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा 2026 का शुभारंभ रविवार को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर होगा। गंगोत्री और यमुनोत्री पोर्टल्स रविवार से खोल दिए जाएंगे। मां गंगा की डोली मुखबा से रवाना हो गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषिकेश से यात्रियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आर्मी बैंड की धुनों और पारंपरिक ढोल-दमांऊ की थाप के बीच मां गंगा की उत्सव विग्रह डोली उनके शीतकालीन प्रवास मुखबा (मुखिमठ) से गंगोत्री धाम के लिए रवाना हो गई है।

कैबिनेट ने दी 'भारत समुद्री बीमा पूल' के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी

नई दिल्ली(ब्यूरो)। अमेरिका और ईरान युद्ध की वजह से बनी हुई अंतरराष्ट्रीय अस्थिरता के बीच प्रभावित होती व्यापारिक समुद्री जहाजों की आवाजाही के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में घरेलू बीमा पूल के गठन के एक बड़े महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई है। जिसे सरकार ने 'भारत समुद्री बीमा पूल' (बीएमआई पूल) का नाम देते हुए सतत समुद्री बीमा कवरेज की सुविधा के लिए 12 हजार 980 करोड़ रुपये की संप्रभु गारंटी भी दी है।

पहलगाम में पर्यटकों के लिए क्यूआर आधारित पहचान प्रणाली की शुरुआत

पहलगाम (भाषा)। जम्मू कश्मीर में अधिकारियों ने पहलगाम में पर्यटकों की सुरक्षा के मद्देनजर सभी पर्यटन सेवा प्रदाताओं के लिए एक विशिष्ट क्यूआर कोड आधारित पहचान प्रणाली शुरू की है। पहलगाम पिछले साल लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के हमले से दहल गया था। इस प्रणाली से वास्तविक और पंजीकृत सेवा प्रदाताओं का आसानी से सत्यापन हो सकेगा।

तैयारी | भारतीय वायुसेना आधुनिकीकरण की ओर बढ़ रही

अब मालवाहक विमान-हेलीकॉप्टर में तैनात होंगे 'आत्मघाती' ड्रोन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वायुसेना द्वारा ड्रोन और लोइटरिंग म्यूनिशंस के लिए प्रस्ताव जारी

ये हथियार हमला, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और टोही मिशन में सक्षम

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद मिडिल ईस्ट में छिड़े युद्ध के बाद दुनिया भर की सैन्य शक्तियों ये सोचने पर मजबूर हो गई हैं कि आने वाले युद्ध किस तरह लड़े जाएंगे। ड्रोन और लोइटरिंग म्यूनिशंस (घूमने वाले हथियार) ने सेनाओं का ध्यान इस तरह खींचा है। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने हाल ही में ऐसे ड्रोन के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) जारी किया है, जिन्हें हेलीकॉप्टर से तैनात किया जा सकता है। वायु सेना ने ऐसे लोइटरिंग म्यूनिशंस के लिए रिक्वेस्ट फॉर इंफॉर्मेशन (आरएफआई) भी जारी किया है, जिन्हें मालवाहक विमानों से तैनात किया जा सकता है।

भारत में 550 कंपनियां ड्रोन बना रहीं

भारत के स्वदेशी आत्मघाती ड्रोन 'नागास्त्र' को देखते पीएम मोदी फाइल फोटो

भारत में निजी क्षेत्र की कंपनियों में टाटा एडवांस्ड सिस्टम, अडानी डिफेंस, सोलार डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड, न्यूस्पेस रिसर्च एंड टेक्नोलॉजीज के अलावा नीबे डिफेंस और ए विजन जैसी कंपनियां इसके निर्माण में सक्षम हैं।

ड्रोन और लोइटरिंग म्यूनिशंस की तैनाती से भारतीय वायु सेना को कई नई हमलावर क्षमताएं मिलती हैं। इस तरह के हथियारों से इन विमानों के इस्तेमाल का दायरा भी बढ़ जाता है। इस तरह से ड्रोन की तैनाती से आईएएफ के लड़ाकू विमानों के बेड़े को दूसरे कामों के लिए खाली किया जा सकता है। यह फायदेमंद साबित हो सकता है। इन ड्रोन का इस्तेमाल कई तरह के कामों के लिए किया जा सकता है। ये ड्रोन लक्ष्यों पर हमला करने, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध लड़ने, दुश्मन को धोखा देने वाले 'डेकॉय' (नकली लक्ष्य) के तौर पर काम करने और लक्ष्यों की खोज करने में किए जा सकते हैं।

श्रद्धांजलि सभा

आप सभी को अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि
हमारे प्रिय पूज्यनीय

स्व. चौ. गोपीचंद गहलोत जी (एडवोकेट)

(पूर्व डिप्टी स्पीकर, हरियाणा सरकार एवं भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य)

की दिव्य आत्मा ने 11 अप्रैल, 2026, को परमात्मा के श्रीचरणों में स्थान प्राप्त किया। उनकी पुण्य स्मृति में तथा दिवंगत आत्मा की शांति हेतु श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। आपसे विनम्र अनुरोध है कि इस अवसर पर उपस्थित होकर पुण्यात्मा को श्रद्धासुमन अर्पित करें एवं शांति प्रार्थना में सहभागी बनें।

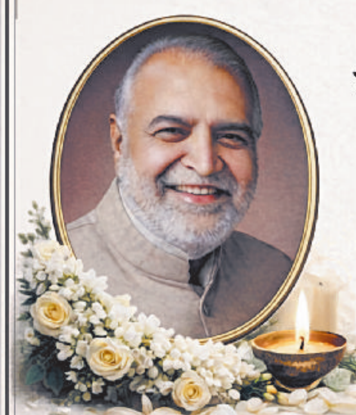

(1 जनवरी, 1951 - 11 अप्रैल, 2026)

श्रद्धांजलि सभा एवं रस्म पगड़ी
दिनांक-20 अप्रैल 2026 | दिन-सोमवार
भोजन प्रसाद- दोपहर 1 बजे | श्रद्धांजलि सभा- दोपहर 3:00-4:30 बजे
स्थान- डीपीजी आईटीएम इंजीनियरिंग कॉलेज, सेक्टर-34, गुरुग्राम

शोकाकुल
बिजेन्द्र गहलोत (पुत्र), सुरेन्द्र गहलोत एडवोकेट (पुत्र), मेधांश गहलोत (पौत्र), मनवीत गहलोत (पौत्र), देव गहलोत (पौत्र), रणविजय गहलोत (पौत्र), करणधीर गहलोत (पौत्र), अधिराज गहलोत (पौत्र)
राजेन्द्र गहलोत (भाई), विरेन्द्र गहलोत (भाई), सतवीर गहलोत (भाई), महावीर गहलोत (भाई)
नरेन्द्र गहलोत (भतीजा), दीपक गहलोत (भतीजा), राहुल गहलोत (भतीजा), रणवीर गहलोत (भतीजा), रोहित गहलोत भतीजा), सागर गहलोत (भतीजा), विक्रम गहलोत (भतीजा)
एवं समस्त गहलोत परिवार
9871497777 / 9971497777 / 9818048401

आप सभी से विनम्र निवेदन है कि दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना सभा में सम्मिलित होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करें।

देश में महिला आरक्षण कानून में संशोधन के लिए लाए गए 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को पास कराने के लिए एनडीए सरकार दो तिहाई वोट जुटाने में विफल रही। सत्ता पक्ष ने इस बिल को महिला सशक्तिकरण से जोड़कर देखने की बात कही। वहीं, विपक्ष ने इस संशोधन में समाहित परिसीमन को लेकर सरकार को घेरा। कुल मिलाकर सियासी वादों, दावों और आशंकाओं से जुड़ी इस चर्चा का नतीजा देश की महिलाओं के लिए निराशाजनक ही रहा। विचारणीय है कि पर्याप्त समर्थन के अभाव में गिरे इस बिल से राजनीतिक पटल पर देश की आधी आबादी की भागीदारी में बढ़ोतरी का प्रयास एक बार फिर अटक गया है। यह भी सच है कि जब किसी समाज की आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त रूप से शामिल होती है, तो नीतियां अधिक संवेदनशील, समावेशी और दूरदर्शी बनती हैं। यह विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखता था, जो फिलहाल भविष्य के गर्भ में चला गया है। इस विधेयक के पारित न होने के पीछे कई तकनीकी और राजनीतिक कारण हो सकते हैं, लेकिन इस बीच एक बड़ा यक्ष प्रश्न अभी भी खड़ा है, क्या केवल आरक्षण महिलाओं को निर्णय लेने की मेज तक ला पाएगा? ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

थोड़ा है, ज्यादा की जरूरत है

विश्लेषण
डॉ. मोनिका शर्मा
वरिष्ठ स्तंभकार

महिला आरक्षण बिल लोकसभा में मतदान के दौरान पारित नहीं हो पाया। इस कानून में देश की संसद और राज्य विधान सभाओं में आधी आबादी के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का प्रावधान है। यही वजह है कि सियासी दुनिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने वाले कानून में संशोधन के लिए बुलाए गए विशेष सत्र की चर्चा में राजनीति से जुड़े लोगों की नहीं, देश के आम परिवारों की भी ख़ासी रुचि थी।वर्तमान परिदृश्य में अनगिनत विरोधाभासी स्थितियों से जूझते हुए भी आगे बढ़ रही महिलाओं के जीवन में आज भी थोड़ा है और ज्यादा की जरूरत है।

इन दिनों संसद के भीतर और बाहर खूब चर्चा बटोरने वाला महिला आरक्षण बिल लोकसभा में मतदान के दौरान पारित नहीं हो पाया। बिल के समर्थन में 298 और असहमति में 230 वोट पड़े। देश में महिला आरक्षण कानून में संशोधन के लिए लाए गए इस बिल को पास कराने के लिए एनडीए सरकार दो तिहाई वोट जुटाने में विफल रही। ध्यातव्य है कि महिला आरक्षण कानून में देश की संसद और राज्य विधान सभाओं में आधी आबादी के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का प्रावधान है। यही वजह है कि सियासी दुनिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने वाले कानून में संशोधन के लिए बुलाए गए विशेष सत्र की चर्चा में राजनीति से जुड़े लोगों की नहीं, देश के आम परिवारों की भी ख़ासी रुचि थी। बहस में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने मजबूती से अपना पक्ष रखा। बिल पर हुई 21 घंटे की गहन चर्चा में कुल 130 सांसदों ने अपने विचार रखे, इनमें 56 महिला सांसद भी थीं। वोटिंग के बाद परिणाम स्त्रियों की हिस्सेदारी बढ़ाने से जुड़े बिल के पास न होने के रूप में सामने आया। सरकार की ओर से 'नारी शक्ति वंदन' मुहिम के तौर पर जनमानस तक पहुंचाए गए बिल को लेकर समझाया गया कि यह देश की आधी आबादी के सम्मान और अधिकारों को मजबूती देने कदम वाला है।

निराशाजनक रहा नतीजा

सत्ता पक्ष ने बिल को महिला सशक्तिकरण से जोड़कर देखने की बात कही। वहीं, विपक्ष ने इस संशोधन में समाहित परिसीमन को लेकर सरकार को घेरा। संविधान संशोधन बिल में प्रस्तावित संशोधनों के अंतर्गत लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 850 करने एवं परिसीमन के बाद महिला आरक्षण लागू किए जाने की योजना थी।

कुल मिलाकर सियासी वादों, दावों और आशंकाओं से जुड़ी इस चर्चा का नतीजा देश की महिलाओं के लिए निराशाजनक ही रहा। विचारणीय है कि पर्याप्त समर्थन के अभाव में गिरे इस बिल से राजनीतिक पटल पर देश की आधी आबादी की भागीदारी में बढ़ोतरी का प्रयास एकबार फिर अटक गया है। देश की नारी शक्ति को सशक्त बनाने से जुड़े ऐतिहासिक निर्णय में आया यह अटकाव आमजन को भी हैरान-परेशान करने वाला है। यहां तक कि कई महिला सांसदों और समर्थकों ने भी इस बाबत निराशा और आक्रोश जताया है। इस मायूसी की अहम वजह यह है कि देश के सियासी परिदृश्य में हर स्तर पर ही महिलाओं की भागीदारी आज भी बहुत कम है।

धरातल पर नहीं उतरा आरक्षण

यह बिल 2029 के आम चुनाव से पहले स्त्रियों को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की योजना का हिस्सा था। ज्ञात हो कि फिलहाल सदन में 14 प्रतिशत महिलाएं हैं। बावजूद इसके 2023 में मिला 33 फीसदी आरक्षण का कागजी अधिकार धरातल पर नहीं उतर सका। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में भी कहा महिला आरक्षण बिल, ये सिर्फ एक बिल नहीं है, ये देश की दिशा और दशा बदलने वाला बिल है। पीएम ने परिसीमन पहले के अनुपात के अनुसार ही किए जाने का विश्वास दिलाते हुए इस बात को खारिज किया कि निर्णय प्रक्रिया किसी भी तरह किसी के साथ भेदभाव करेगी। साथ ही यह भी जोड़ा कि 33 फीसदी महिलाओं को यहां आने दें और उन्हें निर्णय करने दें। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, संतुलन साधने के प्रयासों के बीच हमारे देश के राजनीतिक परिवेश में बड़े बदलाव की आहट को ठेस तो लगी ही है। साथ ही सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक, स्त्री जीवन से जुड़े हर पक्ष पर इसका असर होगा। गौरतलब है कि इस बिल के साथ परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयक भी जुड़े थे।

सियासी खेल का खामियाजा

महिला आरक्षण के साथ ही एक विधेयक दिल्ली, पुडुचेरी और जम्मू-कश्मीर जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में महिला आरक्षण लागू करने के लिए भी आवश्यक था। ऐसे में मुख्य संविधान संशोधन बिल के गिर जाने के कारण सरकार ने इन दोनों विधेयकों को आगे न बढ़ाने का निर्णय किया। हालांकि सरकार ने आगे भी इस बिल को लाने के लिए प्रयासरत रहने की बात कही है।

स्पष्ट है कि परिसीमन से जुड़ी सरकार की मंशा हो या विपक्ष का संदेह, महिलाओं को इस सियासी खेल का खामियाजा उठाना होगा। आखिर क्यों और कब तक मतदान के लिए लंबी कतारों में दिखने वाली आधी आबादी राजनीतिक प्रतिनिधित्व पाने में पीछे रहे? हालिया वर्षों में शिक्षा और सजगता की बदौलत राजनीतिक सक्रियता के मोर्चे पर स्त्रियों की भागीदारी में बढ़ने की तुलना और सत्ता की बागडोर संभालने के मामले में स्त्रियों के आंकड़े बेहद कम हैं।

जबकि महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना उनकी शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक-पारिवारिक मोर्चे पर बेहतरी से जोड़कर देखने वाला पहलू है। इतना ही नहीं, महिलाओं का राजनीतिक प्रतिनिधित्व केवल संख्या बल भर नहीं होता। महिलाओं का संसद में पहुंचना स्त्रियों की समस्याओं को मुखर स्वर मिलने जैसा है। इतना ही नहीं, चुनावी मैदान में उतरने से लेकर जीत हासिल करने तक महिला जनप्रतिनिधियों को भी अनगिनत समस्याओं का सामना करना पड़ता है। आधी आबादी के आगे बढ़ने की राह में पहले से ही कई बाधाएं मौजूद हैं।

हमारे देश की आबादी का 48.5 फीसदी हिस्सा महिलाएं हैं। स्त्रियां हमारे सामाजिक- पारिवारिक जीवन की धुरी हैं। आर्थिक मोर्चे पर आज भी आत्मनिर्भर महिलाओं के आंकड़े कम हैं। उनकी सुरक्षा, सम्मान और श्रम से जुड़े मुद्दे भी बहुत हद तक उपेक्षित ही हैं।

महिलाओं का प्रतिनिधित्व

कुल मिलाकर यह समझना मुश्किल नहीं कि भारतीय समाज में स्त्रियों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति उनकी राजनीतिक भागीदारी से भी जुड़ी है। ऐसे में महिलाओं के बुनियादी अधिकारों और आमजीवन से जुड़ी समस्याओं को राष्ट्रीय पटल पर उठाने के लिए महिलाओं के प्रतिनिधित्व का बढ़ना अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान परिदृश्य में अनगिनत विरोधाभासी स्थितियों से जूझते हुए भी आगे बढ़ रही महिलाओं के जीवन में आज भी थोड़ा है और ज्यादा की जरूरत है। इसके लिए गंभीर मंथन की सख्त आवश्यकता है।

साफ नीयत से लागू हो नारी शक्ति वंदन अधिनियम

उम्मीद
योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

लोकसभा में महिला आरक्षण कानून में बदलाव से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक पास नहीं हो सका। जरूरी दो-तिहाई बहुमत नहीं मिलने के कारण यह बिल गिर गया। इसके साथ ही सरकार ने अन्य दो महत्वपूर्ण विधेयकों परिसीमन बिल और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन बिल को भी आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। यह संशोधन बिल 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में बदलाव के लिए लाया गया था, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान है। यदि यह बिल पास हो जाता, तो इसे 2029 के आम चुनाव से लागू करने की योजना थी। जिस तरह इस बिल को लेकर चर्चा गर्म है, क्या उसको लेकर पक्ष-विपक्ष उतना गंभीर है? शायद नहीं, चूंकि यदि ऐसा होता तो यह बिल पास हो चुका होता। भारतीय राजनीति में केवल उन महिलाओं को मौका दिया जाता है, जिनका राजनीतिक बैकग्राउंड होता है या फिर वह सेलिब्रिटी होती हैं। कार्य के बल आज तक किसको कितना मौका मिला है, यह स्पष्ट है लेकिन हमारी राजनीति में परिवारवाद हमेशा से भारी रहा है। यदि उदाहरण के तौर पर देखा जाए तो मुलायम सिंह यादव के परिवार को देख लो। इनके परिवार में 25 से अधिक सदस्य राजनीति में सक्रिय हैं। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, सांसद डिंपल यादव, शिवपाल सिंह यादव, रामगोपाल यादव, धर्मेंद्र यादव और तेज प्रताप यादव प्रमुख हैं। विडंबना देखिए कि इतने बडे परिवार में कितने लोग है जो राजधानी के लिए योग्य है। शायद दस प्रतिशत भी नहीं, लेकिन विरासत मिली चीजों को लोग अक्सर अपना व्यापार मान लेते हैं। इसके अलावा एक बड़ा उदाहरण लालू प्रसाद यादव के परिवार के रूप में भी समझा जा सकता है। उनके दोनों तेज प्रताप यादव व तेजस्वी यादव जो विरासत में राजनीति लेकर पैदा हुए हैं लेकिन इनके लिए भी सवाल यही उठता है कि उनकी शिक्षा व राजनीतिक समझ कितनी है, यह किसी से छुपा नही है, फिर भी वह राजनीति में अपना स्थान बनाए हुए हैं। अब यदि बात महिलाओं की जाए तो उनके लिए राजनीति में कितनी जगह है, क्या उनकी कार्य की योग्यता को मौजूदा नेता स्वीकार कर पाएगें। किसी आम कार्यकर्ता को सांसद,विधायक या पार्षद तक की सीट आसानी से मिलना संभव है। बहुत मुश्किल कार्य है। बीते शुक्रवार को कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, समाजवादी पार्टी और 'इंडी' गठबंधन बहस करने के लिए नहीं, बल्कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के लिए एक अहम संविधान संशोधन बिल को पास होने से रोकने के लिए एक साथ आए। उसे न सिर्फ खारिज किया गया, बल्कि जीत के नारों के साथ उसका जश्न भी मनाया। यह दृश्य बेहद दुर्लभ था, चूंकि विपक्ष यहां यह बात नहीं समझ पाया कि इससे किसी पार्टी का फायदा-नुकसान या हार-जीत नहीं मिलती, इससे महिलाओं की भागीदारी से देश का उत्थान होने में मदद मिलेगी। बहरहाल, आज आधी आबादी को उनके हक चर्चाओं व सोच से क्या वाकई उनको स्थान मिलेगा, यह तो समय के साथ देखा जाएगा, लेकिन महिलाओं के प्रति अपनी नजरिया स्पष्ट करके उनको देखा जाए तो देश की तस्वीर बदल सकती है। किसी के भी कार्य को गुणवत्ता के आधार पर फल मिलना चाहिए। सही मायनों में राजनीति वह कर सकता है जिसने सड़क पर उतरकर काम किया हो। बहुत ज्यादा नहीं तो हमें देश में उन महिलाओं के योगदान को समझना चाहिए जिन्होंने देश के भविष्य के लिए काम किया है। भारतीय राजनीति में पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, स्वतंत्रता सेनानी, गवर्नर सरोजिनी नायडू,पहली महिला मुख्यमंत्री सुचेता कृपलानी, सोनिया गांधी, सुषमा स्वराज, ममता बनर्जी और मायावती जैसी महिलाओं ने अहम भूमिका निभाई है। इन सभी महिलाओं ने अपने जिद व जुनून से भारतीय राजनीति में अपने आप को स्थापित किया। चूंकि इनमें से अधिकतर ने अपना वजूद खुद तय किया। इसलिए महिलाओं को आरक्षण को लेकर सभी को गंभीर होना चाहिए,यदि वाकई सबकी नियत साफ है तो कुछ प्रतिशत तो निश्चित तौर पर रिजर्व होना चाहिए जिससे बदलाव व देश के उत्थान के लिए महिलाओं की सोच से मिलकर देश आगे बढ़े। परिवर्तन संसार का नियम है और शायद अब भारतीय राजनीति को भी इसे अपना लेना चाहिए। ऐसे मामलों को लेकर पक्ष-विपक्ष अपनी विचारधारा साफ करे।

किसी के भी कार्य को गुणवत्ता के आधार पर फल मिलना चाहिए। सही मायनों में राजनीति वह कर सकता है जिसने सड़क पर उतरकर काम किया हो। बहुत ज्यादा नहीं तो हमें देश में उन महिलाओं के योगदान को समझना चाहिए जिन्होंने देश के भविष्य के लिए काम किया है।

महिलाओं को हक दिलाने पर सरकार अडिग !

चिंतन
सुशील देव
स्वतंत्र पत्रकार

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए जरूरी संविधान संशोधन बिल संसद के विशेष सत्र में आखिरकार गिर गया, जिसे चिंता का विषय कहा जा सकता है। करीब 21 घंटों की चर्चा के बाद भी संविधान के 131वां संशोधन विधेयक 2026 को लेकर सरकार सदन में मौजूदा सदस्यों की दो तिहाई बहुमत नहीं जुटा सकी। इसमें लोकसभा में सीटें 850 करने और महिला आरक्षण को 2029 से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में लागू करने का प्रावधान था। हालांकि सरकार ने दावा किया है कि महिलाओं को हक दिलाकर रहेगी, जबकि विपक्ष ने कहा कि यह महिला आरक्षण नहीं बल्कि परिसीमन के जरिए राजनीतिक संतुलन साधने की कोशिश थी। जनता द्वारा चुनकर देश की विधानसभाओं या संसद में पहुंचना भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। देश और समाज के लिए विधानसभा और लोकसभा के जरिए जनप्रतिनिधित्व की यह ताकत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अगर महिलाओं की भागीदारी विधानसभा और संसद में कम होती है तो यह चिंता का विषय है। पक्ष-विपक्ष दोनों को इस गंभीर मुदद्दे पर विचार करने की जरूरत है। यह सच्चाई है कि आज आधी-आबादी का प्रतिनिधित्व दोनों स्तरों पर कम दिखाई देता है। वर्तमान 18वीं लोकसभा में केवल 74 महिला सांसद हैं, यानी कुल 543 सीटों का मात्र लगभग 14 प्रतिशत। कई राज्य विधानसभाओं का औसत तो इससे भी नीचे है। ऐसे में राजनीतिक रूप से महिलाओं को आरक्षण मिलना जरूरी है। शायद यही कारण है कि देश में बराबरी का दर्जा की बात करने के बावजूद महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान का रास्ता प्रशस्त नहीं दिखाई पड़ता।लोकतंत्र का मतलब सिर्फ बहुमत का शासन नहीं बल्कि सभी वर्गों को समान अवसर देना है। जब आधी आबादी की भागीदारी अधिकतम 14 प्रतिशत तक सीमित हो तो नीति निर्माण एक तरफ हो जाता है, इसलिए उन्हें आरक्षण दिया जाना चाहिए। उनकी भागीदारी को संतुलित करने का यह कारगर उपाय हो सकता है। यह सच है कि आजादी के 78 साल बाद भी सामाजिक, सांस्कृतिक बाधाएं आर्थिक निर्भरता और पुरुष प्रधान सोच के कारण महिलाओं को टिकट नहीं मिल पातीं। आज पंचायत में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होने के बाद 1993 से अब तक 14 लाख से अधिक महिलाएं ग्राम स्तर पर चुनी गईं और इसी मॉडल ने यह साबित कर दिखाया कि अवसर मिलने पर महिलाएं नेतृत्व करने में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 वाकई एक ऐतिहासिक कदम रहा है, जब सितंबर 2023 में संसद में 128वें संविधान संशोधन के तहत लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने का कानून पारित किया। यह आरक्षण एससी-एसटी कोटे के भीतर भी 33 प्रतिशत उप आरक्षण प्रदान करेगा। हालांकि तीन साल बाद इस पुराने कानून को सरकार ने लागू कर दिया है।

1993 से अब तक 14 लाख से अधिक महिलाएं ग्राम स्तर पर चुनी गईं और इसी मॉडल ने यह साबित कर दिखाया कि अवसर मिलने पर महिलाएं नेतृत्व करने में पुरुषों से पीछे नहीं हैं।

इसी कानून में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है, लेकिन यह लागू नहीं हुआ था। गौरतलब है कि पहले से ही इसकी दो शर्तें रही हैं- यह अगली जनगणना और परिसीमन के बाद लागू होगा और लागू होने के 15 साल बाद इसकी समीक्षा होगी यानी 2029 के लोकसभा चुनाव से इसके लागू होने की पूरी संभावना बताई गई थी। यह तय है कि इसके लागू होने से कई तरह के बदलाव भी दिखेंगे। जैसे कि नीति निर्माण की दिशा में मातृत्व लाभ, पोषण, शिक्षा, कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल, घरेलू हिंसा कानून आदि पर सख्ती जैसे विषय संसद के केंद्र में आएंगे। घर-परिवार संभालने वाली महिलाएं जमीनी मुद्दों को बेहतर ढंग से उठा पाएंगी। पार्टियों को महिला कैडर तैयार करने जैसा उनकी मजबूरी हो जाएगी, वहीं टिकट बंटवारे में परिवारवाद और भाई- भतीजावाद घटेगा। इससे पार्षद पति, सरपंच या मुखिया पति की अवधारणा भी घटेगी। महिलाओं को अवसर दिए जाने के बाद ही उनकी क्षमताओं का आकलन करना उचित होगा। परिसीमन से हालांकि पुरुष वर्गों की कई सीटें खतरे में पड़ सकती हैं, लेकिन महिलाओं की भागीदारी के हिसाब से यह सही कदम होगा। इसलिए महिला आरक्षण जरूरी है। अगर ऐसा होता है तो अगला दशक भारतीय लोकतंत्र के लिए निर्णायक होगा।

देश की आधी आबादी की आवाज को अभी और इंतजार

चुनौती
रेखा शर्मा
राज्यसभा सांसद, हरियाणा

आज भारतीय संसद का बजट सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। हर बार की तरह इस बार भी संसद ने देशहित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की, कई निर्णय लिए और लोकतंत्र को आगे बढ़ाने का कार्य किया। सरकार ने अनेक अवसरों पर विपक्ष के अनुरोधों का सम्मान किया, संवाद के लिए अतिरिक्त समय दिया और सहमति बनाने का निरंतर प्रयास किया।

यह लोकतंत्र की वही परंपरा है जो मतभेदों के बीच भी संवाद को जीवित रखती है और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानती है। एक महिला सांसद होने के नाते इस सत्र की समाप्ति मेरे लिए केवल संसदीय कार्यवाही का समापन नहीं है। यह एक गहरी भावनात्मक कसक का क्षण भी है, क्योंकि इस बार अधूरी रह गई उम्मीद केवल एक विधेयक की नहीं थी, बल्कि देश की आधी आबादी के प्रतिनिधित्व के अधिकार की थी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानूनी प्रस्ताव नहीं था। यह उन करोड़ों बेटियों की आशा था, जो लोकतंत्र में अपनी भागीदारी को और सशक्त होते देखना चाहती हैं। यह उन माताओं का विश्वास था, जिन्होंने हमेशा समाज और परिवार को दिशा दी, लेकिन निर्णय लेने की सर्वोच्च संस्थाओं में उनकी भागीदारी अब भी सीमित रही। यह उन युवा छात्राओं का सपना था, जो राजनीति को केवल देखने नहीं, बल्कि उसे दिशा देने का साहस रखती हैं। यह उन लाखों महिलाओं की आकांक्षा का प्रतीक था, जो पंचायतों और स्थानीय निकायों में नेतृत्व कर चुकी हैं और अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी भागीदारी का विस्तार चाहती हैं। इस सत्र के दौरान सरकार ने विपक्ष की अनेक मांगों और सुझावों को स्वीकार करते हुए सहमति बनाने का वातावरण तैयार करने की पूरी कोशिश की। लोकतंत्र संवाद से चलता है, और संवाद के लिए सरकार की ओर से निरंतर प्रयास भी हुए, लेकिन जिस प्रकार से महिलाओं के प्रतिनिधित्व को मजबूत करने का यह ऐतिहासिक अवसर आगे नहीं बढ़ सका, उसने देश की करोड़ों महिलाओं की उम्मीदों को प्रतीक्षा में छोड़ दिया है। यह केवल एक प्रक्रिया का रुकना नहीं था, यह

यह एक संकल्प की भूमिका है। देश की आधी आबादी केवल अधिकार नहीं मांग रही है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में अपनी समान और प्रभावी भागीदारी का अवसर चाहती है।

एक भावनात्मक अपेक्षा का ठहर जाना था। सोचिए, यदि यह व्यवस्था लागू हो जाती तो 2029 का भारत कैसा होता? संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी दिखाई देती। नीति निर्माण की प्रक्रिया में संवेदनशीलता, संतुलन और सामाजिक समावेशन की नई दिशा मिलती। सबसे महत्वपूर्ण बात देश की बेटियों को यह संदेश मिलता कि उनका लोकतंत्र उन्हें केवल मतदाता नहीं, बल्कि नीति-निर्माता के रूप में भी स्वीकार करता है। यह संदेश आने वाली पीढ़ियों के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई देता। आज भारत की महिलाएं हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं। विज्ञान, सेना, खेल, शिक्षा, प्रशासन और न्यायपालिका तक उनकी भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। ऐसे समय में संसद और विधानसभाओं में उनकी संख्या बढ़ाना केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं, बल्कि लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रगति का हिस्सा होना चाहिए था।

यह भी सच है कि जब किसी समाज की आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त रूप से शामिल होती है, तो नीतियां अधिक संवेदनशील, समावेशी और दूरदर्शी बनती हैं। मुझे यह कहते हुए पीड़ा हो रही है कि यह अवसर केवल एक संसदीय प्रक्रिया का हिस्सा बनकर रह गया, जबकि यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का स्वर्णिम अध्याय बन सकता था। यह वह क्षण था, जब दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को यह संदेश देने का अवसर था कि भारत केवल संख्या में नहीं, बल्कि सहभागिता में भी सबसे आगे है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आज तक हर महत्वपूर्ण परिवर्तन में महिलाओं की भूमिका निर्णायक रही है। आज यह प्रतीक्षा है, लेकिन यह प्रतीक्षा निराशा नहीं है। यह एक संकल्प की भूमिका है। देश की आधी आबादी केवल अधिकार नहीं मांग रही है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में अपनी समान और प्रभावी भागीदारी का अवसर चाहती है। यह मांग किसी विशेष वर्ग की नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक संतुलन की मांग है। मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में यह आवाज़ और मजबूत होगी, और वह दिन अवश्य आएगा जब संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी भारत के लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति के रूप में सामने आएगी। क्योंकि यह केवल प्रतिनिधित्व का प्रश्न नहीं है। यह सम्मान का प्रश्न है, यह समान अवसर का प्रश्न है, और यह भारत के भविष्य का प्रश्न है।

पूरे देश को गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता

दृष्टिकोण
जूही पाठक
स्वतंत्र स्तंभकार

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 16 अप्रैल 2026 की तिथि एक बड़े मंथन के रूप में दर्ज हो गई है। जहां एक ओर देश 106वां संवैधानिक संशोधन विधेयक 2023 यानी नारी शक्ति वंदन अधिनियम के अधिसूचित होने की प्रतीक्षा कर रहा था, वहीं यह ऐतिहासिक विधेयक कानून के रूप मे लोकसभा में पारित नहीं हो सका। सितंबर 2023 में संसद के विशेष सत्र के दौरान जिस उत्साह के साथ इसे पेश किया गया था, वह अब राजनीतिक मतभेदों और प्रक्रियात्मक उलझनों के कारण हकीकत नहीं बन पाया।

यह विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखता था, जो फिलहाल भविष्य के गर्भ में चला गया है। इस विधेयक के पारित न होने के पीछे कई तकनीकी और राजनीतिक कारण हो सकते हैं, लेकिन इस बीच एक बड़ा यक्ष प्रश्न अभी भी खड़ा है, क्या केवल आरक्षण महिलाओं को निर्णय लेने की मेज तक ला पाएगा? या फिर यह भी स्थानीय निकायों की तरह मुखौटा राजनीति का शिकार हो जाएगा? नीति-निर्माण के शीर्ष स्तर पर महिलाओं की अनुपस्थिति लोकतांत्रिक समावेशिता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। जिस पर पूरे देश को गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। 73वें और 74वें संविधान संशोधन ने स्थानीय निकायों में महिलाओं को सत्ता की दहलीज तक तो पहुंचाया, लेकिन धरातल पर जो उभरकर आया, उसे लोकप्रिय वेबसीरीज पंचायत ने बड़े सटीक ढंग से चित्रित किया है। सीरीज में प्रधान मंजू देवी निर्वाचित प्रतिनिधि तो हैं, लेकिन पूरी सत्ता उनके पति प्रधान जी के इर्द-गिर्द घूमती है। यह केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि भारतीय ग्रामीण परिवेश की कड़वी सच्चाई है। इसी विडंबना ने सरपंच पति, पंच पति या पार्षद पति जैसे असंवैधानिक शब्दों को जन्म दिया है। निर्वाचित महिला प्रतिनिधि अक्सर घर की चारदीवारी तक सीमित रहती हैं, जबकि उनके पति बैठकों में हिस्सा लेते हैं और फाइलों पर हस्ताक्षर करवाते हैं। यह प्रथा पितृसत्तात्मक मानसिकता का जीवंत प्रमाण

निर्वाचित महिला प्रतिनिधि अक्सर घर की चारदीवारी तक सीमित रहती हैं, जबकि उनके पति बैठकों में हिस्सा लेते हैं और फाइलों पर हस्ताक्षर करवाते हैं।

है, जहां पुरुष सत्ता छोड़ने को तैयार नहीं हैं और महिलाएं केवल रबर स्टैंप बनकर रह गई हैं। कई गांवों में तो सरकारी शिलापट्टों पर निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि के नाम के नीचे कोष्ठक में पति का नाम लिखना लगभग परंपरा मानी जाती है,जो उनके स्वतंत्र राजनीतिक अस्तित्व पर सीधा प्रहार है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित न हो पाने से यह चर्चा फिर गर्म है कि क्या स्थानीय निकायों की यह पति-तंत्र वाली बीमारी उच्च सदनों तक पहुंचने से रुक गई है? हालांकि विधानसभा और लोकसभा का कार्यक्षेत्र अत्यंत विस्तृत और जटिल होता है, लेकिन यदि समाज की बुनियादी सोच नहीं बदली, तो चेहरे महिलाओं के और रिमोट कंट्रोल उनके पतियों के हाथ में होने की संभावना हमेशा बनी रहेगी। विषमताओं को दूर करने के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं है, इसके लिए कुछ अनिवार्य कारकों पर काम करना होगा । राजनीतिक आरक्षण तब तक प्रभावी नहीं होगा, जब तक महिलाओं को संपत्ति के अधिकार, शिक्षा और घर के भीतर निर्णय लेने की स्वतंत्रता नहीं मिलेगी। जब तक महिला घर के भीतर अधीन है, वह संसद में प्रधान नहीं बन सकती। सरपंच पति जैसी प्रथाएं इसलिए पनपती हैं क्योंकि महिला प्रतिनिधियों को अक्सर जटिल सरकारी प्रक्रियाओं की जानकारी नहीं होती। उन्हें गहन प्रशासनिक प्रशिक्षण देना अनिवार्य है। अब समय आ गया है कि प्रतिनिधि पति जैसी प्रथाओं को दंडनीय अपराध बनाया जाए। इसे राष्ट्रीय स्तर पर कड़ाई से लागू करना होगा ताकि निर्वाचित प्रतिनिधि के स्थान पर उनका कोई संबंधी सरकारी कार्य न करे। लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम का पारित न हो पाना महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा अवरोध जरूर है, भले ही आज दिल्ली के सत्ता के गलियारों का रास्ता महिलाओं के लिए संवैधानिक रूप से आरक्षित न हो पाया हो, लेकिन भविष्य का मार्ग शिक्षा और सामाजिक जागरूकता से ही प्रशस्त होगा। अब समय केवल प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व का नहीं, बल्कि वास्तविक राजनीतिक जवाबदेही सुनिश्चित करने का है। राजनीतिक सशक्तिकरण, सामाजिक सशक्तिकरण का परिणाम नहीं बल्कि उसका एक उपकरण है। जब महिलाएं स्वयं अपनी आवाज और अपनी शक्ति को पहचान लेंगी, तो सरपंच पति जैसे शब्द इतिहास के कूड़ेदान में चले जाएंगे। भारत का भविष्य केवल आरक्षित महिलाओं का नहीं, बल्कि सशक्त, स्वतंत्र, स्व-प्रेरित और नेतृत्वकर्ता महिलाओं का होना चाहिए।

हर खिलाड़ी की मजबूत नींव जंप रोप, फिटनेस के साथ करियर का नया मंच

प्रदेश में साल 2008 से संगठित प्रतियोगिताओं की शुरुआत हुई

फिटनेस के साथ करियर का हिट फॉर्मूला बना, युवाओं की पसंद

गली-मोहल्लों से निकल प्रोफेशनल स्पोर्ट्स बना, दे रहा नई पहचान

17 साल में 2100 खिलाड़ी तैयार 1250 से ज्यादा पदक हासिल

कम समय में ज्यादा कैलोरी बर्न खिलाड़ियों की परफॉर्मेंस में सुधार

रोहित डागर ▶▶ रोहतक

हरियाणा में जंप रोप (रस्सी कूद) अब महज गली-मोहल्लों का खेल नहीं, बल्कि खिलाड़ियों की मजबूत नींव तैयार करने वाला प्रोफेशनल स्पोर्ट बन चुका है। फिटनेस, फुर्ती और फोकस का यह आसान लेकिन प्रभावी खेल युवाओं के लिए करियर का नया मंच तैयार कर रहा है। वर्ष 2008 से प्रदेश में इसकी संगठित प्रतियोगिताओं की शुरुआत के बाद जंप रोप ने तेजी से विस्तार किया है। बीते 17 वर्षों में करीब 2100 खिलाड़ी इससे जुड़ चुके हैं और 1250 से अधिक पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके हैं। खास बात यह है कि कम समय में ज्यादा कैलोरी बर्न करने वाला यह खेल खिलाड़ियों की परफॉर्मेंस, स्टैमिना और संतुलन को बेहतर बनाता है। यही वजह है कि आज जंप रोप हर खिलाड़ी के लिए बेसिक फिटनेस का मजबूत आधार बनकर उभर रहा है और युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

हर खिलाड़ी के लिए क्यों जरूरी

हरियाणा जंप रोप संघ के संस्थापक वीर सिंह आर्य ने बताया कि जंप रोप एक परफेक्ट फुल बॉडी वर्कआउट है, जो किसी भी खिलाड़ी की बेसिक फिटनेस तैयार करता है।

▶▶ **फुटवर्क और रिदम :** बॉक्सिंग, क्रिकेट और एथलेटिक्स में टाइमिंग और मूवमेंट को निखारता है।

▶▶ **स्टैमिना बूस्ट :** शरीर की ऑक्सीजन क्षमता बढ़ाकर थकान कम करता है।

▶▶ **इंजरी कंट्रोल :** संतुलन बेहतर कर चोट का खतरा 20–30% तक घटाता है।

हर स्तर पर मनवा रहे प्रतिभा का लोहा

प्रदेश के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। हरियाणा जंप रोप एसोसिएशन के आंकड़े इस खेल की सफलता की कहानी खुद बयां करते हैं। एसोसिएशन के रिकॉर्ड्स के अनुसार, अब तक लगभग 2100 खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, जिनमें से 1250 से अधिक पदक जीतकर खिलाड़ियों ने प्रदेश का नाम रोशन किया है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि हरियाणा में जंप रोप का भविष्य बेहद उज्ज्वल है।

एआई जेनरेटेड फोटो

कार्डियो का सुपरहिट फॉर्मूला

विशेषज्ञों की मानें तो जंप रोप कम समय में ज्यादा कैलोरी बर्न करने वाला वर्कआउट है। यह दिल को मजबूत करता है, ब्लड सर्कुलेशन सुधारता है और हार्ट से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम करता है।

रोज 20 मिनट फिटनेस गारंटीड

प्रोफेशनल ट्रेनिंग के लिए रोजाना 15 से 25 मिनट का अभ्यास पर्याप्त माना गया है। 10 मिनट वार्म-अप, 15 मिनट तेज रफ्तार जंप और अंत में कूल-डाउन। स्पष्ट है कि जंप रोप अब सिर्फ खेल नहीं, बल्कि फिटनेस, प्रदर्शन और करियर का मजबूत 'जंप स्टार्ट' बन चुका है।

ये सावधानी बरतें

- ▶▶ पंजों पर हल्की लैंडिंग करें, एड़ी के बल कूदने से बचें
- ▶▶ रस्सी को कलाइयों से घुमाएं, कंधों/हाथों से नहीं
- ▶▶ सख्त जमीन (सीमेंट) की बजाय मैट या लकड़ी की सतह चुनें
- ▶▶ कुशनिंग वाले स्पोर्ट्स शूज पहनें
- ▶▶ वर्कआउट से पहले 5-10 मिनट वार्म-अप करें
- ▶▶ अंत में स्ट्रेचिंग/कूल-डाउन जरूर करें
- ▶▶ शुरुआत कम समय (10-15 मिनट) से करें, धीरे-धीरे बढ़ाएं
- ▶▶ अपनी हाइट के अनुसार सही लंबाई की रस्सी चुनें
- ▶▶ दर्द या ज्यादा थकान होने पर तुरंत रुकें
- ▶▶ वर्कआउट के दौरान पर्याप्त पानी पिएं
- ▶▶ शरीर सीधा रखें, ज्यादा आगे-पीछे न झुकें

गलत तकनीक से नुकसान

- ▶▶ घुटनों में दर्द या चोट का खतरा
- ▶▶ टखनों (एंकल) में मोच या स्ट्रेन
- ▶▶ कमर (लोअर बैक) में दर्द
- ▶▶ ज्यादा कूदने से मांसपेशियों में खिंचाव (मसल स्ट्रेन)
- ▶▶ गलत तकनीक से शिन स्प्लिंट (पिंडली में दर्द)
- ▶▶ सख्त जमीन पर कूदने से जोड़ों पर अतिरिक्त दबाव
- ▶▶ ओवरट्रेनिंग से थकान और स्टैमिना में गिरावट
- ▶▶ संतुलन बिगड़ने पर गिरने या चोट लगने का खतरा
- ▶▶ दिल के मरीजों या ज्यादा वजन वालों में जोखिम
- ▶▶ सही तकनीक और संतुलन बेहद जरूरी

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	5	4	0	9
बेंगलुरु	6	4	2	8
राजस्थान	5	4	1	8
हैदराबाद	6	3	3	6
दिल्ली	5	3	2	6
गुजरात	5	3	2	6
चेन्नई	6	2	4	4
लखनऊ	5	2	3	4
मुंबई	5	1	4	2
कोलकाता	6	0	5	1

ऑरेंज कैप

हेनरिक
283 रन
हैदराबाद

पर्पल कैप

अंशुल
13 विकेट
चेन्नई

खबर संक्षेप

भारत के 58 निशानेबाज कहिरा में दिखाएंगे जलवा

नई दिल्ली। भारत के 58 निशानेबाजों और सहयोगी स्टाफ का पहला दल 19 से 27 अप्रैल तक आयोजित होने वाले आईएसएसएफ संयुक्त जूनियर विश्व कप में भाग लेने के लिए काहिरा रवाना हो गया है। काहिरा टूर्नामेंट से आईएसएसएफ जूनियर सर्किट की शुरुआत होगी, जिसमें इस कैलेंडर वर्ष में शॉटगन निशानेबाजों के लिए तीन और राइफल एवं पिस्टल निशानेबाजों के लिए दो प्रतियोगिताएं निर्धारित हैं। भारत ने कुल 71 निशानेबाजों को 18 पदक स्पर्धाओं के लिए उतारा है, जिनमें से 36 निशानेबाज 15 ओलंपिक स्पर्धाओं में भाग लेंगे।

टी20 की टॉप स्कोरर बनीं स्मृति, टूटा रोहित का रिकॉर्ड

डरबन। स्मृति मांधना रोहित शर्मा को पीछे छोड़ते हुए इंटरनेशनल टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली भारतीय क्रिकेटर बन गई हैं। उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने पारी की दूसरी गेंद पर एक रन लेकर यह मुकाम हासिल किया। इस मैच में उतरने से पहले मांधना 151 पारियों में 4231 रनों के साथ रोहित शर्मा के बराबर थीं। इस मैच में मांधना ने 14 गेंदों पर 13 रन बनाए, जिससे 155 पारियों में उनके कुल रन 4244 हो गए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 124.38 है। कुल मिलाकर मांधना अब महिला टी20 में दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। महिला टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम है, जिन्होंने 175 पारियों में 4,717 रन बनाए हैं।

आईपीएल : दिल्ली ने 6 विकेट से बेंगलुरु को दी शिकस्त

दिल्ली कैपिटल्स ने रोमांचक मैच में बेंगलुरु को हराया, राहुल और स्टब्स ने जड़ा अर्धशतक

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद केएल राहुल (57) और ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 60) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 6 विकेट से शिकस्त दी। सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट की 38 गेंद में 63 रन की आक्रामक पारी के बावजूद कैपिटल्स ने आरसीबी को 8 विकेट पर 175 रन पर रोकने के बाद 19.5 ओवर में चार विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। कैपिटल्स के लिए राहुल ने 34 गेंद की पारी में दो छक्के और चार चौके लगाए।

टीम के 18 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद उन्होंने स्टब्स के साथ चौथे विकेट के लिए 44 गेंद में 69 रन की साझेदारी की। इसके बाद स्टब्स ने कप्तान अक्षर पटेल (26 रन पर रिटायर हर्ट) के साथ 35 गेंद में 47 रन की अटूट साझेदारी की। अक्षर चोटिल होने के कारण 16वें ओवर में रिटायर हर्ट हो गए। स्टब्स ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए 47 गेंद की नाबाद पारी में एक छक्का और चार चौके जड़े, जबकि डेविड मिलर (नाबाद 22) ने आखिरी ओवर में लगातार दो गेंदों पर दो छक्के और एक चौका लगाकर टीम को जीत दिला दी। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार ने चार ओवर में 26 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि कृणाल पंड्या ने 24 रन देकर एक विकेट हासिल किया।

टिम डेविड ने किए आईपीएल में एक हजार रन पूरे

एम. चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में टिम डेविड ने 17 गेंदों में 26 रनों की पारी खेलने के साथ ही खास मुकाम हासिल कर लिया है। टिम डेविड ने आईपीएल में एक हजार रन पूरे कर लिए हैं। डेविड इस लीग में गेंदों के लिहाज से सबसे तेज एक हजार रन पूरे करने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने आईपीएल में एक हजार रन 560 गेंदें खेलकर पूरे किए हैं। वहीं, आईपीएल में सबसे कम गेंदें खेलकर एक हजार रन बनाने का रिकॉर्ड आंद्रे रसेल के नाम दर्ज है। उन्होंने आईपीएल में एक हजार रन 545 गेंदें खेलकर पूरे किए थे। टिम डेविड ने इस मामले में ट्रेविस हेड, फिल साल्ट, हेनरिक क्लासन और वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ दिया है। हेड ने आईपीएल में 1,000 रन 575 गेंदें खेलकर पूरे किए थे, जबकि फिल साल्ट ने यह मुकाम 575 गेंदें खेलकर हासिल किया था। वहीं, सहवाग ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में एक हजार रन 604 गेंदों में पूरे किए थे।

अंतिम 7 ओवरों में बेंगलुरु की टीम बना सकी केवल 45 रन

एक समय आरसीबी ने 13 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर 132 रन बना लिए थे। यहीं से दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों ने लगाम कसनी शुरू की। अंतिम 7 ओवरों में बेंगलुरु की टीम केवल 45 रन बना सकी और 4 विकेट भी खो दिए। कहां बेंगलुरू की टीम 200 के सपने देख रही थी, लेकिन दिल्ली की ओर से कसी हुई गेंदबाजी के चलते बेंगलुरु की टीम उस आंकड़े से बहुत दूर रह गई। दिल्ली कैपिटल्स के लिए कप्तान अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और लुंगी एनगिडी ने 2-2 विकेट चटकाए। वहीं मुकेश कुमार भी एक विकेट लेने में कामयाब रहे।

स्कोर बोर्ड

आरसीबी	रन	गेंद	4	6
सॉल्ट का स्टब्स बो कुलदीप	63	38	4	3
कोहली का निसंका बो एनगिडी	19	13	3	0
पडिक्कल का मिलर बो अक्षर	18	13	1	1
पाटीदार का राहुल बो मुकेश	08	04	0	1
डेविड का नटराजन बो अक्षर	26	17	3	1
जितेश शर्मा का मिलर बो एनगिडी	14	20	1	0
शेफर्ड पगबाधा कुलदीप	01	04	0	0
कृणाल पंड्या रन आउट	12	10	0	1
रसिक सलाम नाबाद	00	00	0	0
भुवनेश्वर कुमार नाबाद	03	02	0	0

अतिरिक्त: 11, कुल योग : 20 ओवर में 175/8 रन
गेंदबाजी: नबी 3-0-36-0, मुकेश 4-0-32-1, एनगिडी 4-0-39-2, कुलदीप 4-0-32-2, नटराजन 2-0-16-0, अक्षर 3-0-18-2

दिल्ली कैपिटल्स पारी	रन	गेंद	4	6
पथुम निसंका पगबाधा भुवनेश्वर	01	02	0	0
राहुल का कोहली बो कृणाल	57	34	6	2
नायर का सॉल्ट बो भुवनेश्वर	05	05	1	0
रिजवी का जितेश बो भुवनेश्वर	02	03	0	0
ट्रिस्ट्रन स्टब्स नाबाद	60	47	4	1
अक्षर पटेल रिटायर हर्ट	26	19	3	0
डेविड मिलर नाबाद	22	10	1	2

अतिरिक्त: 06, कुल योग: 19.5 ओवर में 179/4 रन
गेंदबाजी: भुवनेश्वर 4-0-26-3, हेजलवुड 4-0-38-0, सलाम 4-0-40-0, कृणाल 4-0-24-1, सुयश 3-0-31-0, शेफर्ड 0.5-0-17-0

चेन्नई सीजन में चौथा मैच हारी

सनराइजर्स ने सीएसके को 10 रन से हराया

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

अभिषेक-क्लासन की फिफ्टी

ईशान को तीन विकेट

सनराइजर्स हैदराबाद ने अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन के अर्धशतक के बाद शानदार गेंदबाजी के बूते शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 10 रन से शिकस्त देकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। सलामी बल्लेबाज अभिषेक (59 रन) की शानदार शुरूआत के बावजूद सनराइजर्स हैदराबाद की टीम बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन (तीन विकेट) और अंशुल कंबोज (तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने नौ विकेट पर 194 रन ही बना सकी। अभिषेक और हेनरिक क्लासेन (59 रन) के अर्धशतकों को छोड़ दें तो सनराइजर्स हैदराबाद की बल्लेबाजी इकाई ने सीएसके के गेंदबाजों के सामने घुटने टेक दिए। यह स्कोर चुनौतीपूर्ण नहीं लग रहा था लेकिन मेजबान टीम के गेंदबाजों के सामने सीएसके जवाब में 20 ओवर में आठ विकेट पर 184 रन ही बना सकी और उसे चौथी हार का मुंह देखना पड़ा। उसके लिए मैथ्यू शॉर्ट 34 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। हैदराबाद की टीम छह अंक लेकर तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई। सीएसके को अंतिम छह गेंद में 18 रन बनाने थे। लेकिन जैमी (16 रन) का विकेट गिरने से टीम इसमें सात रन ही बना सकी। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए इशान मलिंगा ने 29 रन देकर तीन विकेट झटके जबकि रेड्डी ने 31 रन देकर दो विकेट प्राप्त किए।

महिला हॉकी सीरीज

भारतीय टीम की शानदार वापसी अर्जेंटीना के खिलाफ की बराबरी

एजेंसी ▶▶ ब्यूनस आयर्स

भारतीय महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी करते हुए आखिरी दो मैच जीतकर श्रृंखला 2-2 से बराबर की। दौरे की शुरुआत 13 अप्रैल को पहले मैच से हुई, जिसमें अर्जेंटीना ने 4-2 से जीत दर्ज की। भारत के लिए नवनीत कौर (22वां मिनट) और अन्नु (29वां मिनट) ने गोल दागे जबकि मेजबान टीम के लिए मारिया एमिलिया लारसन (11वां), विक्टोरिया ग्रानाटो (18वां) ने एक-एक और जूलिएटा जांकुनास (42वां और 55वां) ने दो गोल किए। दूसरा मैच 14 अप्रैल को खेला गया, जिसमें अर्जेंटीना 2-1 से विजयी रही। भारत के लिए एकमात्र गोल 22वें मिनट में इशिका ने किया जबकि अर्जेंटीना के लिए आगस्टिना गोर्जेलानी ने 34वें और 48वें मिनट में गोल किए।

2-1 से जीतकर भारत ने की वापसी

तीसरा मैच 16 अप्रैल को खेला गया, जिसे 2-1 से जीतकर भारत ने वापसी की। भारत के लिए नवनीत कौर (26वां) और नेहा (37वां) ने गोल किए जबकि अर्जेंटीना के लिए एकमात्र गोल आगस्टिना ने 52वें मिनट में दागा। श्रृंखला का आखिरी मैच 17 अप्रैल को खेला गया, जिसमें निर्धारित समय तक दोनों टीमें गोलरहित बराबरी पर थीं। भारतीय डिफेंडरों ने अर्जेंटीना को कोई मौका नहीं दिया। भारत ने शूटआउट में 3 . 2 से जीत दर्ज की।

कट में प्रवेश करने वाली अकेली भारतीय बनीं प्रणवी

जोहानिसबर्ग। प्रणवी उर्स जोबर्ग लेडीज ओपन गोल्फ के कट में प्रवेश करने वाली अकेली भारतीय गोल्फर रहीं। पहले दिन तीन अंडर 70 का स्कोर करने वाली प्रणवी का कुल स्कोर एक ओवर 74 रहा। भारत की त्वेसा मलिक, दीक्षा डागर, अवनि प्रशांत और हिताशी बख्शी कट में जगह नहीं बना सकी। दो दौर के बाद फ्रांस की सेलाइन हर्बिन और अमेरिका की ब्रायना नावारोसा शीर्ष पर हैं।

लॉस एंजिलिस में अदिति ने किया कट हासिल

लॉस एंजिलिस। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक दिन के अंतिम चरण में लगाए गए शानदार ईगल की बदौलत जेएम ईगल एलए चैंपियनशिप में कट हासिल करने में सफल रही। अदिति ने पहले दौर में 70 का कार्ड खेलने के बाद दूसरे दौर में 72 का स्कोर बनाया और 36 होल के खेल के बाद उनका स्कोर दो अंडर का है। उन्होंने बैक नाइन से शुरुआत करते हुए 10वें और 15वें होल पर बोगी की, लेकिन 16वें होल पर बर्डी लगाने में सफल रहीं। अदिति ने 18वें होल पर बोगी के बाद पहले होल पर बर्डी लगाई। उनका प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा, जहां दूसरे होल पर एक और बोगी के बाद सातवें होल पर शानदार ईगल लगाकर कट में प्रवेश पाने में सफल रहीं।

देश में नाम चमका रहे हमारे खिलाड़ी, सात लड़कियां और 6 लड़के शामिल

यूथ नेशनल बॉक्सिंग प्रतियोगिता में हरियाणा के 13 खिलाड़ियों ने फाइनल में बनाई जगह

चाहत

मेघा

वैभव

सिकंदर

हरियाणा बॉक्सिंग की नर्सरी : मेजर सत्यपाल

हरियाणा बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु ने खुशी जाहिर करते हुए सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुक्केबाजों ने रिंग में अपनी तकनीक और जोश से प्रतिद्वंदियों को पछाड़कर यह साबित कर दिया है कि प्रदेश आज भी बॉक्सिंग की नर्सरी बना हुआ है। उन्होंने कोचों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि हमें पूरी उम्मीद है कि फाइनल में भी हमारे खिलाड़ी रिकॉर्ड तोड़ स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। उनका मानना है कि यूथ स्तर पर इस तरह का प्रदर्शन भविष्य में ओलंपिक और एशियाई खेलों के लिए मजबूत बनाता है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

8वीं यूथ नेशनल बॉक्सिंग प्रतियोगिता में हरियाणा के 13 खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। इसमें 7 लड़कियां और 6 लड़के शामिल है। यह प्रतियोगिता असम में आयोजित की जा रही है। फाइनल मुकाबले रविवार को खेले जाएंगे। महिला वर्ग के 45-48 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की गुंजन ने चंडीगढ़ की छाया को मात देकर फाइनल में प्रवेश किया। 51-54 किलोग्राम में जन्नत ने पंजाब की सुखप्रीत कौर को, जबकि 57-60 किलोग्राम में चाहत ने सर्विसेज की हर्षिका को शिकस्त दी। इसी तरह 60-65 किलोग्राम में वंशिका ने पंजाब की योगीमा कल्याण को और 65-70 किलोग्राम में हंशिका ने तेलंगाना की खदीजा बेगम को हराकर जीत का परचम लहराया। 70-75 किलोग्राम भार वर्ग में अंशिका ने दिल्ली की प्रियांशी को और 75-80 किलोग्राम में मेघा श्योकंद ने चंडीगढ़ की प्राची खत्री को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। पुरुष वर्ग में भी हरियाणा का जलवा बरकरार रहा। 50-55 किलोग्राम में आदित्य ने राजस्थान के टिकम सिंह को और 55-60 किलोग्राम में सिकंदर ने दिल्ली के योगेश्वर नागर को कड़े मुकाबले में हराया। 60-65 किलोग्राम में ध्रुव ने तमिलनाडु के जी. सुनील कुमार को मात दी, जबकि 65-70 किलोग्राम में वैभव ने दिल्ली के पुनीत को पराजित किया। वहीं 75-80 किलोग्राम में लोकेश ने असम के संदीप बसुमतारी को, 80-85 किलोग्राम में अवलीक ढाकर ने आंध्र प्रदेश के ईश्वर चरण बोसा को और 85-90 किलोग्राम भार वर्ग में हनी ने सर्विसेज के ध्रुव को हराकर फाइनल की दौड़ में अपनी दावेदारी मजबूत की।

हरिभूमि कम्युनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28

खबर संक्षेप

सीएम, स्पीकर, मंत्री व विधायकों के वेतन कटेंगे

शिमला। हिमाचल सरकार की ओर से मुख्यमंत्री, मंत्री, विधानसभा स्पीकर और विधायकों के वेतन में कटौती करने का फैसला लागू हो गया है। सुक्खू सरकार ने वेतन कटौती के फैसले को लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है। सीएम के मासिक वेतन में 50 प्रतिशत, मंत्रियों के 30 और विधायकों के वेतन में 20 फीसदी की कटौती का ऐलान किया गया था। प्रदेश की गंभीर आर्थिक स्थिति को देखते हुए सीएम के वेतन का 50, मंत्रियों के वेतन का 30 और विधायकों के वेतन का 30 प्रतिशत अस्थाई रूप से रोकने का फैसला किया था।

उग्रवादियों ने दो लोगों की गोली मारकर की हत्या

इंफाल। मणिपुर के उखरुल जिले में शनिवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने घात लगाकर दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना आज दोपहर कुकी बहुल याओलेन गांव के पास हुई। घटना मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह द्वारा तंगखुल नगा बहुल पर्वतीय जिले का दौरा करने और कुकी व नगा निवासियों के साथ बातचीत के दौरान शांति तथा संवाद की अपील करने के एक दिन बाद हुई है। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध उग्रवादियों ने इंफाल से उखरुल जा रहे नागरिकों के वाहनों पर गोलीबारी की। कार की आगे वाली यात्री सीट पर बैठे एक व्यक्ति के सिर में गोली लगी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गोली लगने से घायल हुए एक अन्य व्यक्ति ने भी दम तोड़ दिया।

ईरान ने अमेरिकी उल्लंघन का आरोप लगाकर नियंत्रण कड़ा किया

ईरान ने साफ किया, अब हमारी इजाजत के बिना नहीं गुजर सकेगा कोई भी जहाज

मोजतबा की चेतावनी- नौसेना दुश्मनों को 'नई और कड़वी हार' देने के लिए तैयार
शत्रुतापूर्ण देशों अमेरिका और इजराइल से जुड़े पोतों को गुजरने की अनुमति नहीं

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान ने सामरिक रूप से बेहद अहम होर्मुज स्ट्रेट को शनिवार को दोबारा अपने नियंत्रण में लेकर तुरंत बंद कर दिया है। इसके साथ ही खाड़ी में युद्ध जैसे हालात बनने लगे हैं। नाकेबंदी के चलते समुद्र में जहाजों की लंबी कतारें लग गई हैं, जबकि वहां से गुजर रहे दो जहाजों पर गोलीबारी की गई है। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने साफ कहा है कि अब इस रास्ते से गुजरने वाले हर व्यापारिक जहाज को आईआरजीसी की नौसेना से इजाजत लेनी होगी। ईरान के इस आक्रामक कदम के बाद अमेरिका के साथ तनाव फिर चरम पर है। ईरान की सेना ने ऐलान किया कि खाड़ी में फिर से सख्त सैनिक कंट्रोल लागू किया जा रहा है। ईरान का आरोप था कि अमेरिका बार-बार नियमों का उल्लंघन कर रहा है और 'नाकेबंदी' के बहाने ईरानी बंदरगाहों पर 'लूट' जैसी हरकतें कर रहा है। इसके कुछ ही घंटों बाद दो व्यापारी जहाजों पर गोलीबारी की खबर आई। वहीं, ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने टेलीग्राम पर एक कड़ा संदेश पोस्ट किया। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान की नौसेना दुश्मनों को 'नई और कड़वी हार' देने के लिए तैयार है।

मोजतबा खामेनेई

होर्मुज खाड़ी में जहाज

डोनाल्ड ट्रंप

उल्लंघनों और नाकाबंदी की आड़ में अमेरिका डाल रहा डकैती

ईरान के 'खातम अल-अंबिया' केंद्रीय मुख्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस मार्ग से होने वाले आवागमन को एक बार फिर से सख्त सैन्य नियंत्रण में ले लिया गया है। प्रवक्ता ने इसके पीछे अमेरिका द्वारा बार-बार किए जा रहे उल्लंघनों और नाकाबंदी की आड़ में की जा रही समुद्री डकैती का हवाला दिया। प्रवक्ता ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर अब नियंत्रण फिर से सख्त कर दिया गया है और यह पूरा जलमार्ग अब ईरान के सशस्त्र बलों के सीधे प्रबंधन और नियंत्रण में रहेगा। ईरान ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि वर्तमान स्थिति तब तक जारी रहेगी जब तक अमेरिका ईरानी जहाजों के लिए आवाजाही की पूर्ण स्वतंत्रता सुनिश्चित नहीं कर देता।

भारतीय जहाज 'देश गरिमा' सुरक्षित निकला

भारत का एक और कच्चे तेल का टैंकर 'देश गरिमा' स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से शनिवार को सुरक्षित निकल गया है। ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध शुरू होने के बाद होर्मुज पार करने वाला यह 10वां भारतीय जहाज है और युद्धविराम के बाद दूसरा भारतीय जहाज। शनिवार को करीब 8 तेल और गैस टैंकरों ने होर्मुज पार किया, जिनमें एक भारतीय जहाज भी शामिल है।

ईरान की मंजूरी अनिवार्यः गालिबाफ

ट्रंप के बयान पर ईरान की संसद के अध्यक्ष एमबी गालिबाफ ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाली समुद्री आवाजाही पर पूरी तरह से तेहरान का नियंत्रण रहेगा। गालिबाफ के अनुसार, जहाजों को केवल ईरान के तय रास्तों से ही गुजरने की अनुमति मिलेगी और इसके लिए ईरान की मंजूरी लेना अनिवार्य होगा।

नासिक धर्मांतरण कांड में खुलासा

पेट और दर्द की शिकायत लेकर दो बार अस्पताल आई थी निदा खान

एजेंसी ▶▶ नासिक

नासिक धर्मांतरण मामले की मुख्य आरोपी निदा खान को लेकर एक नया खुलासा सामने आया है। मामले की मुख्य आरोपी निदा खान इलाज के लिए 11 और 13 अप्रैल को मुंब्रा के ब्लॉसम अस्पताल पहुंची थी, जहां उसे पेट दर्द और यात्रा में दिक्कत के चलते आराम की सलाह और मेडिकल लीव सर्टिफिकेट दिया गया। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, पहली बार वह अपने पति के साथ अस्पताल पहुंची थी, जबकि दूसरी बार वह अकेले इलाज कराने आई थी। बताया जा रहा है कि अस्पताल आने से पहले उसने घर पर ही प्रारंभिक जांच कराई थी, जिसके बाद वह आगे के उपचार के लिए अस्पताल पहुंची।

फोन बंद, नहीं मिल रही लोकेशन

पुलिस के अनुसार, निदा खान फरार चल रही है। शुरुआत में उसे कंपनी में एचआर हेड बताया जा रहा था, लेकिन जांच में सामने आया कि वह बीपीओ यूनिट में टेली-कॉलर के रूप में कार्यरत थी। पुलिस ने उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। साथ ही, निदा और उसके परिजनों के मोबाइल फोन भी बंद हैं, जिससे उसकी लोकेशन ट्रेस करना और मुश्किल हो गया है।

शब्बीर शाह दिल्ली से अरेस्ट, कोर्ट से मिली 3 दिन की 'ट्रांजिट' रिमांड

एजेंसी/श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर के 1996 के एक मामले में कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को गिरफ्तार कर लिया है। पटियाला हाउस कोर्ट के स्पेशल जज प्रशांत शर्मा ने एनआईए को तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड दी है। अब आरोपी को 20 अप्रैल 2026 को दोपहर 12 बजे से पहले जम्मू की एनआईए स्पेशल कोर्ट में पेश किया जाएगा। यह मामला श्रीनगर के शेरगढ़ी पुलिस स्टेशन में 17 जुलाई 1996 को दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। एनआईए ने इस 30 साल पुराने केस को 1 अप्रैल 2026 को फिर से रजिस्टर किया था। एनआईए के अनुसार, आरोपी शब्बीर अहमद शाह को इस मामले में शामिल होने के लिए 17 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार किया गया। शुक्रवार शाम उसे पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। जज प्रशांत शर्मा ने 17 अप्रैल के अपने आदेश में कहा कि मामले की गंभीरता और नेचर को देखते हुए, याचिका में एनआईए की ट्रांजिट रिमांड की अर्जी मंजूर की जाती है। एनआईए जम्मू को आरोपी शब्बीर अहमद शाह की 03 दिन की ट्रांजिट रिमांड दी जाती है।

वायुसेना प्रमुख ने नेवादा के नेलिस एयर फोर्स बेस का दौरा किया

उड़ाया एफ-15ईएक्स फाइटर जेट, रक्षा संबंधों पर की चर्चा

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

भारतीय वायुसेना के प्रमुख, एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने अमेरिका यात्रा के दौरान नेवादा के नेलिस एयर फोर्स बेस का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने 9 अप्रैल को बोइंग कंपनी के आधुनिक लड़ाकू विमान एफ-15ईएक्स ईगल 2 में उड़ान भरी। उड़ान के दौरान उनके साथ अमेरिकी वायुसेना के मेजर मैथ्यू बेंसन मौजूद थे। यह विमान हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा और हवाई प्रभुत्व बनाए रखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। एफ-15ईएक्स ईगल II विमान को अमेरिका अपने सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों में से एक मानता है।

अमेरिकी वायुसेना के मेजर मैथ्यू बेंसन के साथ एपी सिंह

वरिष्ठ अधिकारियों से की मुलाकात

अपनी यात्रा के दौरान एयर चीफ मार्शल सिंह ने अमेरिकी वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की। इनमें अमेरिकी वायुसेना वारफेयर सेंटर के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल डेविड सी एपर्सन शामिल थे। इस दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल में एयर कमोडोर यशपाल सिंह नेगी भी मौजूद रहे। बातचीत का मुख्य केंद्र दोनों देशों की वायुसेनाओं के बीच संयुक्त युद्धाभ्यास के अवसरों को बढ़ाना और आधुनिकीकरण के प्रयासों को एक साथ लाना था।